



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 179]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 9, 2011/श्रावण 18, 1933

No. 179]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 9, 2011/SRAVANA 18, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2011

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय :—चीन जन. गण. यूरोपीय संघ तथा अमरीका के मूल की या वहां से निर्यातित मोरफोलीन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/41/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मै. बालाजी अमीनस लि., शोलापुर, महाराष्ट्र से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन. गण., यूरोपीय संघ और अमरीका (जिन्हें आगे संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित "मोरफोलीन" (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था।

ii. आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछ कमियों का पता चला जिन्हें आवेदक ने बाद में सुधार लिया था। अतः आवेदन को समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया था। प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देशों/क्षेत्र के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के

अनुसार जांच शुरु करने से पूर्व उस आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के प्रतिनिधिक कार्यालय/दूतावासों को अधिसूचित किया जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के आरोप निहित थे । प्राधिकारी ने आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की संस्तुति करने जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्र के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरु करते हुए 7 दिसंबर, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया । बाद में उपर्युक्त विषय पर 15 दिसंबर, 2010 को एक शुद्धि पत्र जारी किया गया था ।

- iii. प्राधिकारी ने 7 दिसंबर, 2010 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भारत स्थित संबद्ध देशों के प्रतिनिधिक कार्यालय/दूतावासों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबंधित देशों/क्षेत्र के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी सूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- iv. उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देशों/क्षेत्र के प्रतिनिधिक कार्यालय/दूतावासों को भेजी
- v. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार भारत स्थित संबद्ध देशों के प्रतिनिधिक कार्यालय/दूतावासों को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और यह अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश/क्षेत्र के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उनके पास भी भेजी गई थी ।
- vi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देशों/क्षेत्र के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

क्र. सं.	उत्पादक/निर्यातक का नाम
1	मै. हन्ट्समैन कार्पोरेशन यू.के. लि. लियानेल्ली प्लांट, बायनेया लियानेल्ली, कारमारथेनसिरे, एस ए 149, टीई, यू के
2	मै. बी ए एस एफ एस ई 67056 लुडविगशाफेन, जर्मनी

vii.

3	मै. हंट्समैन कार्पोरेशन 10003 वुडलोच फॉरेस्ट ड्राइव दि वुडलैंड्स, टी एक्स 77380. अमरीका
4	मै. बी ए एस एफ कार्पोरेशन गेसमार साइट 8404 रिवर रोड, गेसमार ला-70734, लुइसियाना, अमरीका
5	मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि. नं. 1 फुकांग रोड, फुयांग अन्हुई चीन जन.गण.
6	मै. पुयांग विलिंग कैमिकल्स कं. लि. इंडस्ट्रियल एंड कॉमर्शियल न्यूजोन, पुयांग, हेनान, चीन जन.गण.
7	मै. टियानयू फार्मा कं. लि. बिल्डिंग 4-1-501, जियाल्व बेइयूआन, हांगझोऊ, चीन जन.गण.

अधिसूचना के उत्तर में निर्यातकों/उत्पादकों/एसोसिएशन सहित निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने उत्तर दिया है:

क्र.सं.	उत्पादक/निर्यातक का नाम	देश/सं.शा.
1	मै. हंट्समैन कार्पोरेशन यू. के. लि.	यूरोपीय संघ
2	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन	अमरीका
3	मै. बी ए एस एफ एस ई	यूरोपीय संघ
4	मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि.	चीन जन.गण.

viii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत स्थित संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	क्र.सं.	कंपनी का नाम
1	उरमी कैमिकल्स	28	कांतीलाल मनीलाल एंड कंपनी
2	सज्जान इंडिया लि.	29	ऑरचिड कैमिकल्स एंड फार्मास्युटीकल्स लि.
3	थेमेक्स लि.	30	सूर्या फार्मास्युटीकल्स लि.
4	नोसिल लिमिटेड	31	हरमान फिनोचैम लि.
5	अमजय कैमिकल्स	32	बनवारीलाल झंवर एंड संस
6	ख्याति कैमिकल्स प्रा. लि.	33	हिंदुस्तान स्पेशियलिटी कैमिकल्स
7	पैरामाउंट मिनरल्स एंड कैमिकल्स लि.	34	लियो कैमोप्लास्ट प्रा. लि.
8	डायमंड ड्राई कैम. लि.	35	शक्ति कैमिकल्स
9	सी जे शाह एंड कंपनी	36	संजय कैमिकल्स (इंडिया) प्रा. लि.
10	अल्फा कैमिकल कार्पोरेशन	37	बिलग इंडस्ट्रीज लि.
11	मरचैम लि.	38	इंडोको रेमीडीज लि.
12	यूनीमार्क रेमीडीज लिमिटेड	39	सिपला लिमिटेड
13	लुपिन लिमिटेड	40	थरमेक्स लि.

14	हरमान फिनोचैम	41	क्लारिंट कैमिकल्स (इंडिया) लिमिटेड
15	क्लाइरेंट कैमिकल्स (इं.) लिमिटेड	42	बी ए एस एफ इंडिया लिमिटेड
16	मरचैम लिमिटेड	43	आई ओ एन एक्सचेंज (इंडिया) लिमिटेड
17	असरती इंडस्ट्रीज लि.	44	पी एम सी रबड कैमिकल्स इंडिया प्रा. लि.
18	लॉफ्टी लेबोरेटरीज प्रा. लि.	45	अरबिन्दो फार्मा लि.
19	हेटेरो ड्रग्स लिमिटेड	46	सूर्या फार्मास्युटीकल्स लि.
20	गेल इंडिया लिमिटेड	47	श्री कृष्णा ड्रग्स लि.
21	विश्वात कैमिकल लिमिटेड	48	थरमैक्स लि.
22	लफफाने पैट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	49	रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
23	बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड	50	विरचॉ लेबोरेटरीज लि.
24	एस एम एस फार्मास्युटीकल्स लिमिटेड	51	पंचशील ऑर्गेनिक्स लि.
25	अमाइन्स एंड प्लास्टीसाइजर्स लिमिटेड	52	धानुका लेबोरेटरीज लि.
26	दि वैक्सपोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड	53	आई ओ सी एल मथुरा
27	जयपुर साइटीफिक्स एंड कैमिकल्स	54	एवन ऑर्गेनिक्स लिमिटेड

ix. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं, एसो. ने उत्तर दिया है:

क्र.सं.	आयातक का नाम
1.	मै. बी ए एस एफ इंडिया लि.
2.	मै. खयाती कैमिकल्स प्रा. लि.
3.	मै. एन ओ सी आई एल लि.
4.	मै. भंवरलाल झांवर एंड संस

x. बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली समस्त ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा नई दिल्ली स्थित चीन जन.गण. के दूतावास को भेजी गई थी। जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया था क्योंकि आवेदक ने यह तर्क दिया था कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के लिए सूचना उनके पास उपलब्ध नहीं है। इस दावे का किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने विरोध नहीं किया है। प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के मद्देनजर आवेदकों के दावे की जांच करने का है अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 8 के उप पैरा (3) के किए गए उल्लेखानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सके कि क्या चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है।

xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपीय रूप का रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

xii. धाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

- xiii. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बढ़ाने तथा बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- xiv. यह जांच 1 जुलाई, 2009 से 30 जून, 2010 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2007-मार्च, 2008, अप्रैल, 2008-मार्च, 2009, अप्रैल, 2009-मार्च, 2010 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी ।
- xv. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. विविध मुद्दे

घरेलू उद्योग के अनुरोध

2. निर्यातकों ने उचित औचित्याधार के बिना अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है । इसके अलावा, गोपनीय रूपांतरण में निहित समस्त सूचना का उचित कारण बताए बिना प्रश्नावली के उत्तर का अगोपनीय रूपांतरण नहीं दिया गया है ।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- 2.1 हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध संक्षेप में निम्नानुसार हैं:

- आवेदक ने उन आंकड़ों का भी प्रकटन न करके अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है जो सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध हैं ।
- वर्ष 2006-07 की अवधि को क्षति अवधि से अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि वर्तमान जांच में जांच अवधि के 9 माह पूर्ववर्ती वर्ष के हैं । इससे क्षति अवधि घटकर 3 वर्ष हो गई है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 2.2 प्राधिकारी ने उपर्युक्त अनुरोधों को नोट किया है । हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था । जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

- 2.3 जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि वर्ष 2006-07 की अवधि को क्षति अवधि से अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि वर्तमान जांच में जांच अवधि के 9 माह पूर्ववर्ती वर्ष के हैं; प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसने अपनी सुसंगत परंपरा को अपनाया है जो अन्य बातों के साथ-साथ इस विषय पर जारी व्यापार सूचना संख्या 2, दिनांक 12 मई, 2004 के अनुरूप भी है।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू समान वस्तु

3. विचाराधीन उत्पाद "मोरफोलीन" है। यह बताया गया है कि मोरफोलीन अत्यधिक बहुउपयोगी रसायन है और इसका उपयोग क्षरण नियंत्रण में रबड़ उद्योग में रासायनिक मध्यवर्ती के रूप में और कई औषधियों के संश्लेषण में किया जाता है। इसका उपयोग फसल संरक्षण एजेंटों, रंजकों और ऑप्टिकल विरायटरों के लिए भी होता है। मोरफोलीन रेजिन, रंजक एवं मोम सहित कई आर्गेनिक सामग्रियों के लिए एक सॉल्वेंट है। इसका उपयोग उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है।

- 3.1 मोरफोलीन का उपयोग 5% तक के सांद्रणों पर प्रसाधन एवं श्रृंगार प्रसाधन के उत्पादों (श्रृंगार प्रसाधन संघटक) में किया जाता है। इसका उपयोग कई प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष खाद्य अभिवर्धक अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है। मोरफोलीन का उपयोग रबड़ एक्सीलेटरों के लिए मध्यवर्तियों के रूप में और वाष्प बॉयलर प्रणालियों में क्षरण निषेधक के रूप में किया जाता है। इसका उपयोग डिटरजेंट नुस्खों में ऑप्टिकल ब्राइटनरों के लिए होता है। मोरफोलीन की व्युत्पत्तियों का उपयोग रबड़ वल्केनाइजेशन, स्थिरीकरण और विशेष हाई स्पीड टायरों के विनिर्माण में किया जाता है। मोरफोलीन रबड़ प्रसंस्करण के दौरान निर्गत हो सकती है। मोरफोलीन का जल के समान बहु उपयोग होता है। मोरफोलीन के एन-मिथाइल मोरफोलीन तथा एन-इथाइल मोरफोलीन जैसी व्युत्पत्तियों का उपयोग पॉलीयूरेथिन फॉम के उत्पादन हेतु उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है। मोरफोलीन की व्युत्पत्तियों का उपयोग एनालजेसिक तथा लोकल एनेस्थेटिक, जीवाणुरोधी, एंटीमाइकोटिक के रूप में और दंत चिकित्सा में प्लेग नियंत्रण हेतु भी किया जाता है। मोरफोलीन का उपयोग कई प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष खाद्य अभिवर्धक अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। मोरफोलीन का उपयोग श्रृंगार प्रसाधन उद्योग द्वारा भी किया जाता है।

- 3.2 यह उत्पाद सीमाशुल्क वर्गीकरण 2933.39.17. के अंतर्गत आता है। तथापि, आवेदक ने यह तर्क दिया है कि मोरफोलीन का आयात कई सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष वर्गीकरणों में किया गया है। अतः सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तुओं

घरेलू उद्योग के अनुरोध

4. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु, जिसका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान वस्तु है। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्य अथवा अंतिम उपयोग में कोई अंतर नहीं है। दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए इन्हें पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत "समान वस्तु" माना जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 4.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपयुक्त दावे का खंडन किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने नहीं किया है। अतः इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटनरोधी नियमों के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

घ "घरेलू उद्योग" का क्षेत्र तथा "आधार"

5. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा।"

- 5.1 यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. बालाजी एमीनस लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार मै. बालाजी एमीनस लि. भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- 5.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- आवेदक एकमात्र उत्पादक नहीं है और एक अन्य उत्पादक अर्थात् मै. एमीनस एंड प्लास्टीसाइजर्स लि. भी है जिसका खुलासा प्राधिकारी को नहीं किया गया है।
- वैबसाइट अर्थात् www.tradeindia.com तथा www.indianindustry.com पर दी गई सूचना के अवलोकन से यह देखा जा सकता है कि भारत में मारफोलीन के कई क्रेता और विक्रेता हैं। उक्त सूचना सार्वजनिक क्षेत्र में तत्काल उपलब्ध होने के बावजूद प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद/समान उत्पाद के अन्य भारतीय उत्पादकों को "घरेलू उद्योग" के क्षेत्र से बाहर रखने की मांग की है।

- वैबसाइटों के अवलोकन मात्र से यह सिद्ध हो जाएगा कि कई अन्य घरेलू उत्पादक हैं और याचिकाकर्ता का यह दावा निराधार सिद्ध होता है कि वह भारत में एकमात्र उत्पादक है । याचिकाकर्ता के पास वर्तमान याचिका दायर करने का आधार नहीं है क्योंकि उसने भारतीय उत्पादन में 25 % हासिल नहीं किया है ।
- याचिकाकर्ता संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयातक होने के कारण उसके पास याचिका दायर करने का कोई आधार नहीं है । इसके अलावा, इसने वर्ष 2008 में उक्त निर्यातक से लगभग 92 एम टी एस का आयात किया है ।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 5.3 यह भारत में मारफोलीन का एकमात्र उत्पादक है । श्री ए बी माटे, उपाध्यक्ष, मेटेरियल्स, मैसर्स एमीनस एंड प्लास्टीसाइजर्स लि. से प्राप्त एक ई मेल उन्होंने पुष्टि करते हुए दायर किया था कि वे मारफोलीन का उत्पादन नहीं करते हैं । घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि वस्तुतः मै. एमीनस एंड प्लास्टीसाइजर्स लि. उनके लिए मारफोलीन की खरीद करती है और मारफोलीन की व्युत्पत्तियों का उत्पादन करती है । इस संबंध में जांच अवधि के दौरान इस बात की पुष्टि करने के लिए सौदेवार बिक्री के ब्यौरे का हवाला दिया गया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 5.4 प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को नोट किया है । इस आरोप कि मै. एमीनस एंड प्लास्टीसाइजर्स लि. भी संबद्ध वस्तु का घरेलू उत्पादक है, के उत्तर में आवेदक ने यह स्पष्ट करते हुए मै. एमीनस एंड प्लास्टीसाइजर्स लि. के उपाध्यक्ष से प्राप्त एक ई-मेल प्रस्तुत किया है कि यह कंपनी संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं करती है । वस्तुतः यह स्पष्ट किया गया था कि कंपनी आवेदक से मारफोलीन की खरीद करती है और वह उसकी व्युत्पत्तियां उत्पादित करती हैं । इसके अलावा आवेदक ने ग्राहकवार बिक्री भी प्रस्तुत की है जिससे यह देखा जा सकता है कि मै. एमीनस एंड प्लास्टीसाइजर्स लि. ने जांच अवधि में आवेदक से 56,000 किग्रा. मारफोलीन की खरीद की है जिससे घरेलू उद्योग के इस दावे की पुष्टि होती है कि वे भारत में संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक हैं ।

5.5 जहां तक वैबसाइटों में उल्लिखित उद्यमों का संबंध है, प्राधिकारी ने उन कंपनियों को अन्य बातों के साथ-साथ यह सूचना मांगते हुए लिखा था कि क्या वे संबद्ध वस्तु का उत्पादन करती हैं। तथापि, उनसे यह सूचना प्रदान करते हुए कोई उत्तर नहीं मिला है कि वे संबद्ध वस्तु का उत्पादन करती हैं।

5.6 जहां तक आवेदक द्वारा वर्ष 2008 के दौरान उक्त निर्यातक से किए गए आयातों का संबंध है; आवेदक ने उल्लेख किया है कि उसने वर्ष 2008-09 के दौरान चीन जन.गण. से *** मी.ट. मारफोलीन का आयात किया था क्योंकि उन्हें इस वर्ष की समान अवधि के दौरान डी ई जी (मारफोलीन के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री) की खरीद में समस्या हुई थी और कंपनी के पास ऑर्डर लंबित थे और इस प्रकार उसे इन ऑर्डरों को पूरा करना था इसलिए उसे विचाराधीन उत्पाद का आयात करना पड़ा। इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का कोई आयात नहीं किया है।

5.7 रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मै. बालाजी अमीनस लि. संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और उसका उत्पादन समान वस्तु के समूचे घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। इस प्रकार आवेदन में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं की पूर्ति होती है। इसके अलावा, मै. बालाजी एमीनस लि. को वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जा रहा है।

ड. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

6. मै. ख्याति कैमिकल्स प्रा.लि. ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:-

- अमरीका और ई यू के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में उल्लिखित कार्य प्रणाली याचिका में आवेदक द्वारा किए गए दावे से भिन्न है।
- सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु दी गई कच्ची सामग्री की कीमत जांच अवधि के लिए नहीं है। अतः सामान्य मूल्य जांच अवधि के लिए नहीं है।
- चीन जन.गण. के लिए परिकलित सामान्य मूल्य भारत में उत्पादन लागत से अधिक नहीं हो सकती और वह अन्य संबद्ध देशों के सामान्य मूल्य से अधिक नहीं हो सकती।
- निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा दावा किए गए विभिन्न समायोजन काफी अधिक, अवास्तविक हैं और उन्होंने इसके लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया है।

- जहां तक अमरीका और ई यू के मामले में निर्यात कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली में कोई निर्धारित कार्य प्रणाली नहीं है।
- आवेदक के निर्यात की पहुंच कीमत सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उचित नहीं हो सकती क्योंकि संबद्ध देशों द्वारा किए गए आयात निर्यात के लिए हो सकते हैं।
- सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु डी जी सी आई एंड एस से डी जी ई की कीमत गलत है। इसका कारण यह है कि सह माह दर माह विश्लेषण पर दी गई है जिससे यह पता चलता है कि एक ही माह में कीमतें असामान्य रूप से अधिक हैं। अतः उचित तुलना के लिए सौदा दर सौदा विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- उपर्युक्त आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में संशोधन करने के बाद संबद्ध देशों के बारे में पाटन मार्जिन नकारात्मक बन रहा है।

मै. हंट्समैन कार्पोरेशन यू के लि. तथा मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल

6.1 कंपनियों ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- आवेदक द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य अनुमानों पर आधारित है। अमरीका और ई यू बाजार के बारे में सामान्य मूल्य की गणना आवेदक की खुद की निर्यात कीमत के आधार पर की गई थी। नियमों में इस कार्य प्रणाली की अनुमति नहीं है।
- सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना का अभाव है क्योंकि आवेदक ने समायोजनों से पूर्व निर्यातक देशों में पहुंच कीमत ली है जबकि निर्यात कीमत कई समायोजनों के बाद होती है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग के लिए वह सूचना उपलब्ध करानी अपेक्षित होती है जो उसके पास समुचित रूप में उपलब्ध हो और वर्तमान मामले में जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त सूचना प्रदान की गई थी।

6.3 जहां तक अमरीका और ई यू के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में कथित रूप से प्रयुक्त कार्य प्रणाली के याचिका में आवेदक द्वारा किए गए दावे से भिन्न होने के मुद्दे का संबंध है; आवेदक ने अनुरोध किया था कि चीन जन.गण. एक एन एम ई देश है और वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं कर सकते क्योंकि संगत सूचना उनके पास उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आगे यह अनुरोध किया था कि चीन के उत्पादकों के लिए भारत एक उचित प्रतिनिधि देश है। अतः उन्होंने सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत की उत्पादन लागत के आधार पर किया

था । तथापि, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा खरीदी गई इन निविष्टियों की कीमत और अपनाए गए कमतर सामान्य मूल्य की तुलना में कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के बीच अंतर पर विचार करते हुए इन दावों को सामान्यीकृत किया है । अतः यह निर्धारित किया गया था कि जांच को न्यायोचित ठहराने के लिए इस संबंध में रिकार्ड में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है ।

- 6.4 जहां तक ई यू और अमरीका के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण का संबंध है, आवेदक ने यह तर्क दिया था कि उसने अमरीका और ई यू के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमत की सूचना/साक्ष्य हासिल करने के हर संभव प्रयास किए हैं परंतु वह सफल नहीं हो सका । तथापि, चूंकि उन्होंने अमरीका और ई यू दोनों को बड़ी मात्रा में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था, और चूंकि इन देशों के लिए निर्यात कीमत में इन देशों में संबद्ध वस्तु की प्रचलित घरेलू कीमत प्रदर्शित नहीं होगी, इसलिए ई यू और अमरीका हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण इन देशों में पहुंच कीमत के आधार पर किया गया था । प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः ई यू और अमरीका में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत यह अनुमान लगाते हुए सामान्य मूल्य से अधिक होनी चाहिए कि वस्तु की बिक्री घाटे पर नहीं की गई थी ।
- 6.5 तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वे पाटन मार्जिन के उचित निर्धारण को सुगम बनाने के लिए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर कर संबद्ध देशों के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों से जांच प्रक्रिया में सहयोग करने की आशा करते हैं ।
- 6.6 निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के अवलोकन से यह पता चलता है कि पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है ।
- 6.7 जहां तक डी. ई. जी कीमतों के मुद्दे का संबंध है, इस निविष्टि की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें प्राप्त कर उनकी तुलना उस कीमत के साथ की गई थी जिस कीमत पर उक्त निविष्टि घरेलू उद्योग ने प्राप्त की थी; सामान्य मूल्य की गणना करते समय कमतर कीमत पर विचार किया गया था ।

सामान्य मूल्य

- 6.8 प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह देते हुए प्रश्नावली भेजी कि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध कराएं । प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित से प्राप्त हुआ था:

क्र.सं.	उत्पादक/निर्यातक का नाम	देश/सं.शा.
1	मै. हंट्समैन कॉर्पोरेशन यू. के. लि.	यूरोपीय संघ
2	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कॉर्पोरेशन	अमरीका
3	मै. बी ए एस एफ एस ई	यूरोपीय संघ

4

मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि.

चीन जन.गण.

प्राधिकारी द्वारा चीन जन. गण. के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

6.9 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत और डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है ।

6.10 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

- 6.11 जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में प्राधिकारी ने संकेत दिया था कि आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और इसलिए चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए। आवेदक ने अनुरोध किया है कि वे चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से सूचना जुटाने में समर्थ नहीं हुए हैं और यह तर्क दिया है कि चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत पर एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में विचार किया जा सकता है। प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के मद्देनजर आवेदकों के दावे की जांच करने का है अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से अन्य बातों के साथ साथ यह अनुरोध किया गया था कि वे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 8 के उप पैरा (3) के किए गए उल्लेखानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सके कि क्या चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है।
- 6.12 प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत संबंधी सूचना के बाद चीन के एक उत्पादक/निर्यातक अर्थात् मै. अन्हुई हाओयूआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की है। संबद्ध देश के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी के प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था के उत्तर की जांच की गई थी तथा अनुरोधों में पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था एवं स्पष्टीकरण मांगे गए थे। उत्तर के अवलोकन से यह देखा गया था मै. शांक्सी जिनचेंग एन्थासाइट माइनिंग ग्रुप ("जिनचिंग ग्रुप") की मै. अन्हुई हाओयूआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि. में काफी अधिक (35%) शेयरधारिता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. शांक्सी जिनचेंग एन्थासाइट माइनिंग ग्रुप सांक्षी प्रान्तीय सरकार के पूर्ण स्वामित्व में है और यह कि मै. शांक्सी जिनचेंग एन्थासाइट माइनिंग ग्रुप शांक्सी प्रांत के राज्य के स्वामित्व वाले परिसंपत्ति तथा प्रशासन आयोग के नियंत्रण में है। इसके अलावा, कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु उनके द्वारा खरीदी गई प्रमुख निविष्टि में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है।
- 6.13 अपने उत्तर में मै. अन्हुई हाओयूआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि. ने यह बताया है कि वर्ष 1970 से 2002 तक हाओयुआन कैमिकल्स का नाम अन्हुई फुयांग कैमिकल फैक्ट्री था और वर्ष 2002 से 2007 तक हाओयुआन का नाम अन्हुई हाओयुआन कैमिकल कंपनी लि. ("हाओयुआन कैमिकल") था। वर्ष 2002 में कुछ व्यक्ति ऐसे थे जिनके पास कंपनी में शेयर थे तथा उसी समय हाओयुआंग कैमिकल की शेयरधारिता का अनुपात लगभग 80% राज्य की स्वामित्व और 20% निजी स्वामित्व के रूप में था। वर्ष 2003 की समाप्ति पर हाओयुआंग कैमिकल के राज्य के स्वामित्व वाले सभी शेयर व्यक्तियों और कंपनी के कर्मचारियों को हस्तांतरित कर दिए गए थे। उसी समय कंपनी की पूंजी भी बढ़ गई। वर्ष 2003 से कंपनी निजी रूप से धारित कंपनी

बन गई है। वर्ष 2002 में अन्हुई फुयांग कैमिकल फैक्ट्री की परिसंपत्तियां और ऋण हाओयुआंग कैमिकल को हस्तांतरित कर दिए गए थे। फैक्ट्री की परिसंपत्तियों (भूमि उपयोग अधिकार सहित) का मूल्यांकन किया गया था और भूमि की परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट प्रदान की गई थी। इसके अलावा, हुयान कैमिकल को परिसंपत्ति हस्तांतरण का कार्य बाजार कीमत पर किया गया था। यह दावा किया गया है कि इस समय हाओयुआंग के प्रचालन में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है लेकिन यह भी स्वीकार किया गया है कि मै. शांक्सी जिनचिंग एन्थासाइट माइनिंग ग्रुप ("जिनचिंग ग्रुप") के पास कंपनी के 35% शेयर हैं।

- 6.14 तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के 27 मई, 2003 के "राज्य के स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों के पर्यवेक्षण एवं प्रशासन संबंधी अस्थायी विनियम" के अनुच्छेद 2 में यह विनिर्दिष्ट है कि ये विनियम राज्य के स्वामित्व वाले, उनके नियंत्रण वाले या उनकी भागीदारी वाले उद्यमों की राज्य स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों के पर्यवेक्षण और प्रशासन पर लागू होंगे।
- 6.15 उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करते हुए कीमत, लागत एवं निविष्टि, कच्ची सामग्री सहित, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश आदि के बारे में कंपनी के निर्णयों में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता। अतः प्राधिकारी इस चरण पर यह नोट करते हैं कि मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि. वर्तमान मामले में एन एम ई के अनुमान का खंडन करने में समर्थ नहीं रही है जो आगे जांच और सत्यापन के अधीन है।

चीन जन.गण. के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 6.16 नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

- 6.17 प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले ऐसे तीसरे देश की कीमत या परिकलित मूल्य के संबंध में रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है जिसने खासकर संबद्ध वस्तु के मद्देनजर चीन जन.गण. की तुलना में विकास का तुलनीय स्तर प्राप्त किया हो । अतः उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी पांटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार उपलब्ध उचित आधार पर चीन जन.गण. के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण करते हैं । तदनुसार विचाराधीन उत्पाद के कारखाना सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण विधिवत समायोजित परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है । सामान्य मूल्य का परिकलन निम्नलिखित कार्यप्रणाली के अनुसार किया गया है :

चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अपनाई गई कार्य प्रणाली

- 6.18 तदनुसार प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के उत्पादकों के लिए निम्नलिखित आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है:

क. अमोनिया की कीमत पर जांच अवधि के दौरान प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत अर्थात् वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार चीन के लिए वैश्विक निर्यात कीमत के आधार पर विचार किया गया है ।

ख डी ई जी की कीमत पर जांच अवधि के दौरान प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत के रूप में घरेलू उद्योग के आधार पर विचार किया गया है क्योंकि वर्ल्ड ट्रेड एटलस की कीमत असामान्य रूप से अधिक है ।

ग. क्षति रहित कीमत में विचारित घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री के पर्याप्त खपत मानकों पर ध्यान दिया गया है ।

घ. क्षति रहित कीमत में विचारित घरेलू उद्योग की उपयोगिता लागत और परिवर्तन लागत अपनाई गई है ।

ड उपर्युक्तानुसार सी एन वी हेतु कुल उत्पादन लागत निकालने के बाद 5% लाभ की अनुमति दी गई है ।

- 6.19 प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ./किग्रा. बनता है ।

ई यू तथा अमरीका के संबंध में सामान्य मूल्य -प्रतिवादी निर्यातक

- 6.20 निम्नलिखित कंपनियों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था:

क्र.सं.	उत्पादक/निर्यातक का नाम	देश/सं.शा.
1	मै. हंट्समैन कॉर्पोरेशन यू. के. लि.	यूरोपीय संघ
2	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन	अमरीका
3	मै. बी ए एस एफ एस ई	यूरोपीय संघ

6.21 तथापि, मै. हंट्समैन कॉर्पोरेशन यू. के. लि. ने 27 जुलाई, 2011 के अपने पत्र द्वारा यह बताया है कि उसने डी जी ए डी के जांच दल द्वारा किए जाने वाले मौके पर सत्यापन को न कराने का निर्णय लिया है। उन्हें यह स्पष्ट किया गया था कि ऐसी स्थिति में कंपनी के लिए पृथक पाटन मार्जिन निर्धारित न करने का प्रस्ताव है। अन्य प्रतिवादियों के बारे में प्राधिकारी ने इन कंपनियों के संबंध में पृथक पाटन मार्जिन निर्धारित किया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अपनाई गई कार्य प्रणाली निम्नानुसार है:

सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी निर्यातकों के लिए अपनाई गई सामान्य कार्य प्रणाली

6.22 सर्वप्रथम यह देखा गया था कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों/आयातकों द्वारा उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की की गई घरेलू बिक्री उनकी घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण की अनुमति देने हेतु प्रतिनिधिक तथा व्यवहार्य है अथवा क्या प्रतिवादियों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच संतोषजनक है। अपने उत्तर में प्रतिवादियों ने अपने घरेलू बाजार में की गई संबद्ध वस्तु की बिक्री के सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इस प्रकार प्रदत्त सूचना पर संबद्ध वस्तु की पृथक भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत के निर्धारण हेतु अंतिम रूप से भरोसा किया गया है जो आगे जांच और सत्यापन के अधीन है। व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच के निर्धारण हेतु संबद्ध उत्पाद की उत्पादन लागत को अंतिम रूप से स्वीकार किया गया है जो आगे जांच तथा सत्यापन के अधीन है। इसके अलावा समस्त घरेलू बिक्री सौदों की जांच संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में की गई थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई थी। यह भी देखा गया था कि क्या घाटे वाले सौदे बिक्री के 20% से अधिक है या नहीं। क्या लाभकारी घरेलू बिक्री सौदे कुल बिक्री के 80% से अधिक पाए गए थे, समस्त घरेलू बिक्रियों की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है। तथापि, जहां लाभकारी बिक्री मात्रा 80% से कम पाई गई थी, वहां लाभकारी घरेलू बिक्री की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है।

ई यू और अमरीका के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन, अमरीका

6.23 कंपनी के उत्तर के अवलोकन से यह देखा जाता है कि हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन का स्वामी और प्रमुख शेयरधारक हंट्समैन कार्पोरेशन है और हंट्समैन इंटरनेशनल एल एल सी का स्वामी और प्रमुख शेयरधारक हंट्समैन कार्पोरेशन है।

6.24 कंपनी ने यह तर्क दिया है कि रबड़ एक्सेलरेटर (आर ए) के विनिर्माण में प्रयुक्त मारफोलीन की कीमत जलशोधन, आस्टीकल वैरायटनर, भेषज, यू वी एब्जार्बर, मोम, क्षरण रोधक आदि जैसे समस्त अन्य अनुप्रयोगों में प्रयुक्त मारफोलीन की कीमत से कम होती है। आगे यह तर्क दिया गया है कि अमरीका में आर ए विनिर्माता एशिया में कम लागत वाले आर ए विनिर्माताओं से प्रतिस्पर्धा करते हैं और यदि उन्हें अन्य सभी अंतिम प्रयोक्ताओं द्वारा प्रदत्त कीमत पर मारफोलीन की खरीद करनी होती है तो वे आर ए व्यापार से बाहर होने के लिए बाध्य हो जाएंगे। मारफोलीन आधारित रबड़ एक्सेलरेटरों की मांग के प्रभाव पर उचित ध्यान देने के लिए भारत को हुई निर्यात बिक्री की तुलना अमरीका में आर ए ग्राहकों को की गई हंट्समैन यू एस की बिक्री से की जानी चाहिए। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंतिम अनुप्रयोग के आधार पर निर्धारित घरेलू बिक्री को इस विषय पर संगत नियमों तथा विनियम के अनुसार स्वीकार नहीं किया जा सकता।

- 6.25 कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर का अवलोकन किया था। यह पाया गया था कि प्रतिवादी ने अपने उत्तर की संगत परिशिष्टों में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत तथा अन्य ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। कंपनी द्वारा दायर सूचना/आंकड़ों को अनंतिम रूप से स्वीकार किया गया है जो सत्यापन के अधीन है। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण पर्याप्तता और ओ सी टी जांच करने के बाद किया गया है। कंपनी द्वारा दावा किए गए समायोजनों को सत्यापन के अधीन अनंतिम रूप से स्वीकार किया गया है। तदनुसार निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है जो *** अम.डॉ./किग्रा. बनता है।

मै. बी ए एस एफ, एस ई

- 6.26 कंपनी के उत्तर के अवलोकन से यह पता चलता है कि घरेलू रूप से बेची गई मारफोलीन और गैर घरेलू बाजारों में बेची गई मारफोलीन के बीच कोई अंतर नहीं है। संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में प्रयुक्त समस्त निविष्टि उत्पाद का बी ए एस एफ द्वारा आबद्ध उत्पादन किया जाता है।
- 6.27 कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर का अवलोकन किया गया था। यह पाया गया था कि प्रतिवादी ने अपने उत्तर की संगत परिशिष्टों में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत तथा अन्य ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। कंपनी द्वारा दायर सूचना/आंकड़ों को अनंतिम रूप से स्वीकार किया गया है जो सत्यापन के अधीन है। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण पर्याप्तता और ओ सी टी जांच करने के बाद किया गया है। कंपनी द्वारा दावा किए गए समायोजनों को सत्यापन के अधीन अनंतिम रूप से स्वीकार किया गया है। तदनुसार निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है जो *** अम.डॉ./किग्रा. बनता है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 6.28 प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू और अमरीका के किसी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः उनके मामलों में सामान्य मूल्य का निर्धारण "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर किया गया है।

च. निर्यात कीमत

प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण.

- 6.29 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण प्रतिवादी द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया जा सकता है। प्रतिवादी के दावे के अनुसार निर्यात कीमत की अनुमति दी गई है आगे जांच और सत्यापन के अधीन है। प्रतिवादी ने भारत को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। भाड़े, बीमा, निकासी प्रभार एवं वैट के लिए समायोजनों का दावा किया गया है जिन्हें आगे जांच और सत्यापन के अधीन अनंतिम रूप से स्वीकार किया जा रहा है।

मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन, अमरीका

- 6.30 प्रतिवादी ने भारत को निर्यातों के बारे में परिशिष्ट 2 में सूचना प्रस्तुत की है। अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, समुद्री बमा, हैंडलिंग एवं अन्य व्यय, पैकिंग, ऋण व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया गया है जिन्हें आगे जांच और सत्यापन के अधीन अनंतिम रूप से स्वीकार किया जा रहा है। व्यापार कंपनियों के एस जी ए व्यय के मुद्दे पर मौके पर सत्यापन के दौरान गौर किया जाएगा।

मै. बी ए एस एफ, एस ई

- 6.31 प्रतिवादी ने भारत को निर्यातों के बारे में परिशिष्ट 2 में सूचना प्रस्तुत की है। अंतरदेशीय एवं समुद्री भाड़े, पैकिंग एवं आवंटित बिक्री व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया गया है जिन्हें आगे जांच और सत्यापन के अधीन अंतिम रूप से स्वीकार किया जाना है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

- 6.32 चूंकि संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार "उपलब्ध तथ्यों" के अनुसार निर्यात कीमत निर्धारित की है। आंकड़ों का मिलान आवेदक द्वारा।

क. पाटन मार्जिन

- 6.33 उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

अम.डॉ./किग्रा.

क्र.सं.	देश- उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
1.	चीन जन गण.				
2.	मै. अन्डुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि.	***	***	***	25-30
3.	समस्त उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	50-55
4.	अमरीका	***	***	***	
5.	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन	***	***	***	50-55
6.	अन्य सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	80-85
7.	ई यू	***	***	***	
8.	मै. बी ए एस एफ एस ई	***	***	***	30-35
9.	अन्य सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	55-60

ज. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

अन्य हितवद्ध पक्षकारों के अनुरोध

मै. ख्याति कैमिकल्स प्रा. लि.

7.1 कंपनी ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

क. आवेदन निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से नहीं हैं। पूर्ण सूचना नहीं दी गई है। आवेदन में कई त्रुटियाँ/विरोधाभास हैं। इस बात की शंका है कि आई बी आई एस के आंकड़ों में सूचित सौदे दोहराए गए हैं। डी जी सी आई एंड एस के बजाए आई बी आई एस के आंकड़ों को अपनाने के लिए दिया गया औचित्य तथ्यतः गलत है क्योंकि इनमें कोई खास अंतर नहीं है और आई बी आई एस में सूचित सौदे दोहराए गए हैं।

ख. आवेदक ने प्रपत्र- IV क के अनुसार आय की अपेक्षित दर का दावा किया है। अतः क्षति रहित कीमत की गणना हेतु आवेदक द्वारा किए गए दावे के अनुसार लगाई गई पूंजी पर वास्तविक आय पर विचार किया जाना चाहिए।

ग. जांचोत्तर अवधि में आवेदक का निष्पादन सर्वोत्तम रहा है। आयात कीमत में पुनः वृद्धि शुरू हुई है।

घ. आवेदक द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत काफी अधिक है क्योंकि उन्होंने कुछ वर्ष पहले संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया है।

ङ. कंपनी द्वारा उत्पादित विभिन्न अमीनों की उत्पादन क्षमता सामान्य है, इसलिए व्यय का उचित आवंटन करने की जरूरत है।

च. कारणात्मक संबंध का अभाव है क्योंकि बाजार हिस्से में गिरावट आवेदक की क्षमता सीमित होने के कारण आई है और इसे पाटित आयातों का कारण नहीं माना जा सकता।

छ. उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, उत्पादकता, मजदूरी के कारण कोई क्षति नहीं हुई है- सभी में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है।

मै भंवर लाल झांवर एंड संस

भारतीय विनिर्माता की संस्था इस समय अत्यंत सीमित है और वे भारत में जरूरत को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। इसके अलावा, मारफोलीन की कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में अब वृद्धि हुई है।

मै. हंट्समैन कार्पोरेशन, यू के लि. तथा मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन, अमरीका

7.2 कंपनियों ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

क. 'मांग और भारत में उत्पादन की तुलना में आयातों के हिस्से में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। वस्तुतः संबद्ध देशों से तीसरे देशों से हुए आयातों का हिस्सा हासिल किया है।

- ख. आवेदक की बिक्री कीमत और आयात कीमत के बीच कोई संबंध नहीं है क्योंकि जांच अवधि में बिक्री कीमत में 30% की वृद्धि हुई है जबकि आयात कीमत केवल 20% बढ़ी है। इसके अलावा, वर्ष 2010 में बिक्री कीमत आयातों की पहुंच कीमत से कम है।
- ग. कीमत कटौती या कीमत ह्रास का कोई साक्ष्य नहीं है। आयातों की कीमत से कीमतों में उतना ह्रास नहीं हो सकता कि लागत में वृद्धि का पता आवेदक की बिक्री कीमत में हुई वृद्धि से न चल सके।
- घ. आवेदन में दर्शाए गए आंकड़ों से बिक्री मात्रा में वृद्धि और उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में सुधार का पता चलता है।
- ङ. आवेदक भारत में मांग को पूरा करने में कभी भी समर्थ नहीं रहा है क्योंकि उसकी क्षमता मांग से कम है। केवल इतना ही नहीं है बल्कि यह तमालबाड़ी में मारफोलीन उत्पादन उपकरण की क्षमता का उपयोग अधिक लाभकारी उत्पाद अर्थात् मिथाइल अमीनस के उत्पादन में करता है।
- च. आवेदक के बाजार हिस्से में गिरावट, घरेलू बाजार के बजाए निर्यात बाजार में स्वयं को केन्द्रित करने के बारे में दिए गए कार्यनीतिक निर्णय के कारण आई है।
- छ. लाभप्रदता में गिरावट बिक्री कीमत में गिरावट से अत्यधिक अननुपातिक है। तथापि, यदि लाभप्रदता में कोई गिरावट आई तो वह लागत में वृद्धि के कारण आई होगी।
- ज. प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् डी ई जी की कीमत, जो कुल उत्पादन लागत की कम से कम 60% होती है, में इन वर्षों के दौरान लगातार वृद्धि हुई है। इसके अलावा, निर्यातिक कच्ची सामग्री का उत्पादन स्वयं कर रहे हैं और उन्हें लागत लाभ प्राप्त है जबकि आवेदक को अपना उत्पादन न होने के कारण यह लाभ नहीं मिला है।
- झ. लागत में वृद्धि कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि होने के कारण हुई है जिसमें मजदूरी लागत से दोगुना वृद्धि हुई है और इस प्रकार उसका कारण आरोपित पाटित आयात नहीं माना जा सकता।
- ट. उत्पादकता में गिरावट का आवेदक का दावा स्वतः विरोधाभासी है क्योंकि एक स्थान पर उसने वृद्धि दर्शायी है और दूसरे स्थान पर उत्पादन के कारण गिरावट दर्शायी है।
- ठ. अमरीका और ई यू के मूल के आयातों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियां अलग-अलग हैं। आयात मात्रा की प्रवृत्तियां काफी अलग हैं जैसा कि देखा जा सकता है कि ई यू से मात्रा में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जबकि अमरीका से मात्रा में गिरावट

- प्रदर्शित हुई है। अमरीकी आयातों में गिरावट का मुख्य कारण यह है कि डायमंड डाई कैम (भारत में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक) बी ए एस एफ कंपनी बन गई है और उसने बी ए एस एफ से खरीद शुरू कर दी है। उपर्युक्त दोनों स्थितियों को ध्यान में रखते हुए आयातों का संचयी निर्धारण नहीं किया जाना चाहिए।
- उ टायर क्षेत्र में वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण मारफोलीन की कीमत में गिरावट आई है क्योंकि मारफोलीन की अधिकांश बिक्री टायर उद्योग में होती है।
- ढ याचिकाकर्ता की मारफोलीन में संगत गुणवत्ता का प्रदर्शन नहीं होता है। इसके अलावा यह अपेक्षित विनिर्देशनों के अनुरूप नहीं होती है।
- ण. बताए गए कारणों से पाटनरोधी शुल्क लागू करना सार्वजनिक हित में नहीं है क्योंकि आवेदक भारत में एकमात्र उत्पादक हैं और इसके पास भारत की मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है। उत्पादन प्रक्रिया पूंजी गहन है जिससे नए उद्योगों के लिए बाधा उत्पन्न होती है।
- त. याचिकाकर्ता द्वारा डी ई जी की कीमत में अत्यधिक घट-बढ़ होने के कारण मारफोलीन का उत्पादन किए जाने की संभावना नहीं है। आवेदक का प्रमुख हित मिथाइल अमीनस के उत्पादन हैं जो एन एम पी की आवश्यक कच्ची सामग्री है। इतना ही नहीं है बल्कि यह मारफोलीन का उत्पादन तब करता है जब डी ई जी की कीमतें कम हो जाती हैं और मिथाइल एमीनस कम लाभकारी बन जाता है।
- थ. याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित मारफोलीन घटिया गुणवत्ता का है।
- द निर्यात बाजार में मारफोलीन की कीमत घरेलू बाजार की तुलना में अधिक है। अतः बेहतर कीमत प्राप्त करने और घरेलू बाजार को सीमित करने के लिए यह निर्यात बाजार में अपनी आपूर्ति बढ़ाएगा। कीमत में वृद्धि का प्रभाव केवल उपभोक्ता वहन करेगा।

बी ए एस एफ एस ई के अनुरोध

7.2.1 कंपनी ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

क. पाटन एवं भारत में मारफोलीन के बाजार पर पाटन के प्रभाव को सिद्ध करने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य प्रकाशित सूचना और घोषित आंकड़ों के आधार पर सत्यापन के योग्य नहीं है। आवेदक के बाजार हिस्से में गिरावट के दावे का समर्थन आवेदन में सूचित आंकड़ों द्वारा नहीं की गई है। एकल घरेलू उत्पादक की बिक्री में मामूली अंतर से बाजार हिस्से में गिरावट का दावा न्यायोचित नहीं बनता है। चूंकि स्थानीय बाजार की मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि आपूर्तिकर्ताओं के सतत बाजार

हिस्से की अपेक्षा आयातों की समग्र मात्रा में वृद्धि हो । यूरोपीय बाजार में भारतीय उत्पादक की सफलता से ये सिद्धांत की पुष्टि होती है और विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं के बीच किसी एक ग्राहक के मुक्त विकल्प के आधार पर वैश्विक व्यापार की गतिशीलता का पता चलता है । यह दवा करते हुए कोई मामला बनाना कि भारतीय उत्पादक विदेशी बाजारों में धकेला जा रहा है, आश्वस्तकारी नहीं है ।

ख. आयातित मारफोलीन एवं घरेलू रूप से उत्पादित मारफोलीन के बीच कीमत अंतर के बारे में भारत में डी ई जी हेतु औसत कच्ची सामग्री की लागत अन्य क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है । उचित मार्जिन प्राप्त करने के लिए स्थानीय डी ई जी पर आधारित मारफोलीन की कीमत अधिक रहेगी ।

ग. कीमत ह्रास के बारे में कोई आश्वस्तकारी साक्ष्य नहीं है; घरेलू बिक्री कीमत आयातों की पहुंच कीमत की तुलना में स्वतंत्र रूप से निर्धारित की जाती है । घरेलू उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में गिरावट का दावा अत्यंत आपत्तिजनक है क्योंकि घरेलू उत्पादन में लगभग दोगुना वृद्धि हुई है जबकि घरेलू मांग में 40% वृद्धि हुई है ।

घ. वर्ष 2009 में और जांच अवधि के दौरान घरेलू उत्पादक की उत्पादकता में तेजी से आई गिरावट को आवेदन में दिए गए तथ्यों द्वारा स्पष्ट नहीं किया गया है । यह समझना कठिन है कि वर्ष 2008 से 2009 तक क्षमता उपयोग में लगभग दोगुनी वृद्धि क्यों हुई है जब 2009 में लाभप्रदता कम रही थी ।

मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण.

7.3 कंपनी ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- याचिका में यह स्पष्ट नहीं है कि क्या आयात आंकड़े संविदागत बिक्री या बिक्री प्राप्ति पर आधारित हैं ।
- याचिकाकर्ता ने साक्ष्य के समर्थन के बिना क्षति का दावा किया है और उसे कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है जैसा कि क्षति मापदंडों के विश्लेषण से पता लगाया जा सकता है ।
- वर्ष 2009-10 में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट संयंत्र बार-बार बंद होने के कारण आई है ।
- इसके अलावा, कंपनी अभी भी मारफोलीन से संबंधित आर एंड डी कार्यकलाप कर रही है । याचिकाकर्ता की वार्षिक रिपोर्ट से यह देखा जा सकता है कि वह विनिर्माण, आर एंड डी आदि में भारी धन का निवेश कर रहा है ।

- क्षति यदि कोई है, वह अन्य कारकों से हुई है; ऐसा याचिकाकर्ता द्वारा विकसित विचाराधीन उत्पाद के असफल विकास एवं गुणवत्ता के कारण हुआ है ।
- वर्ष 2007-08 में विचाराधीन उत्पाद का सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन नहीं किया गया था, जैसा कि वार्षिक रिपोर्ट से देखा जा सकता है ।
- याचिकाकर्ता ने एक संबद्ध देश अर्थात् अमरीका से कच्ची सामग्री का आयात किया है । इससे उत्पादन लागत बढ़ी है । अतः क्षति स्वस्फूर्त है ।
- याचिकाकर्ता पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने में विफल रहा है ।

आवेदक घरेलू उद्योग के अनुरोध

7.4 घरेलू उद्योग ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

- यह कहना गलत है कि डी जी सी आई एंड एस के जून, 2010 तक के आंकड़े अक्टूबर, 2010 में उपलब्ध हुए थे क्योंकि जून, 2010 के आयात आंकड़े डी जी सी आई एंड एस की वेबसाइट पर 29 दिसंबर, 2010 को जारी किए गए थे ।
- जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि वर्ष 2006-07 की अवधि को क्षति अवधि से अलग रखा जाना चाहिए, 15 दिसंबर, 2010 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की शुद्धिपत्र की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें दायर आवेदन और 12 मई, 2004 की व्यापार सूचना संख्या 2/2004 के अनुरूप क्षति अवधि में संशोधन किया गया था ।
- जहां तक इस तर्क का संबंध है कि डी जी सी आई एंड एस के बजाए आई बी आई एस के आंकड़े स्वीकार किए जाने चाहिए थे, यह अनुरोध है कि आई बीआई एस के आंकड़ों पर विचार करना न्यायोचित है क्योंकि डी जी सी आई एंड एस के अनुसार आयात आंकड़े आई बी आई एस के आंकड़ों की तुलना में कम थे । इस तथ्य के बावजूद आयातों की सूचना कई अन्य वर्गीकरणों में दी जा रही है कि उत्पाद का एक विशिष्ट वर्गीकरण है । याचिका दायर करते समय डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े मार्च, 2010 तक के लिए उपलब्ध थे जबकि जांच अवधि जून, 2010 तक प्रस्तावित थी । यह उल्लेखनीय है कि इस उत्पाद के आयात कई सीमाशुल्क वर्गीकरणों में किए जाने की सूचना है ।
- यह तर्क सही नहीं है कि आर एंड डी पर व्यय की गई अत्यधिक राशि के कारण उत्पादन लागत काफी अधिक रही है क्योंकि वर्ष 2009-10 की वार्षिक रिपोर्ट में किसी अनुसंधान एवं विकास व्यय का उल्लेख नहीं है । न ही याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान ऐसे किसी व्यय का दावा किया है ।
- जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि आवेदक मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है क्योंकि उसकी क्षमता भारत में मांग से कम है और निर्यात बाजार को तरजीह दी जाती है, घरेलू मांग को पूरा करने की घरेलू उद्योग की अक्षमता को पाटन से न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता और घरेलू उद्योग को पाटनरोधी कानून के अंतर्गत संरक्षण प्राप्त करने से वंचित नहीं किया जा

सकता । कोई संविदा हासिल करना कंपनी द्वारा उत्पादित सभी उत्पादों के लिए किए गए निर्यातों पर आधारित होती है और इसका तात्पर्य यह नहीं है कि याचिकाकर्ता ने निर्यात हेतु अपनी क्षमता सृजित की है । निर्यात कीमत और निर्यात मात्रा में वृद्धि से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के विदेशी उत्पादकों द्वारा किए गए पाटन के दबाव के कारण भारतीय बाजार में कम प्राप्ति हुई है । यदि प्राधिकारी भारतीय बाजार से पाटन हटा देते हैं तो उसके बाद घरेलू उद्योग उचित कीमत और अधिक मात्रा हासिल कर सकता है । चूंकि उत्पाद का पाटन देश में हो रहा है, इसलिए घरेलू उद्योग भारत में अपने बाजार हिस्से को बढ़ाने और उत्पाद का निर्यात करने की स्थिति में नहीं है ।

- संबद्ध वस्तु की कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप हुई है । आवेदक 50 से अधिक उत्पादों का उत्पादन करने वाली एक बहु उत्पाद कंपनी है, इसलिए कुछ अन्य उत्पादों के लिए किए गए निवेश को विचाराधीन उत्पाद के लिए किया गया निवेश नहीं माना जा सकता ।
- लागत लाभ से किसी अन्य देश में पाटन न्यायोचित नहीं ठहरता है ।
- जिस खबर पर भरोसा किया गया है, वह अन्य उत्पादों से संबंधित है न कि मारफोलीन से । आयातक अन्य उत्पादों से संबंधित खबर देकर प्राधिकारी को भ्रमित कर रहा है ।
- घरेलू उद्योग को कई अन्य मापदंडों के संबंध में क्षति हो रही है अर्थात :
 - (क) आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादों तथा खपत की तुलना में वृद्धि
 - (ख) उत्पादन में गिरावट जिससे क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।
 - (ग) घरेलू बिक्री मात्रा में गिरावट
 - (घ) लाभ, पी बी आई आई टी, निवेश पर आय एवं नकद लाभ में गिरावट ।
 - (ङ) अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री ।
 - (च) उत्पादकता में गिरावट ।
 - (छ) कई मापदंडों में नकारात्मक वृद्धि ।
 - (ज) मांग में बाजार हिस्से में गिरावट ।
- अमरीका और ई यू दोनों से हुए आयातों में वर्ष 2008-09, जब अमरीका से हुए आयातों में गिरावट आई थी, को छोड़कर क्षति अवधि में वृद्धि हुई है । संबद्ध देशों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निम्नानुसार संचयी निर्धारण करना उचित होगा:

- i. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है,
- ii. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है,
- iii. निम्नलिखित कारकों के मद्देनजर संचयी निर्धारण उचित है :-

- क. शामिल वस्तु समान वस्तुएं हैं और उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं;
- ख. आयातित उत्पादों की बिक्री वितरण के तुलनीय माध्यमों के जरिए और ग्राहकों की तुलनीय श्रेणी को की जा रही है;
- ग. संबद्ध देशों के उत्पादों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है ।

घ. संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हो रही है ।

- इस तर्क के समर्थन में कोई आंकड़ा नहीं दिया गया है कि टायर क्षेत्र में वैश्विक आर्थिक संकट के कारण मारफोलीन की कीमत में गिरावट आई है । याचिका से यह देखा जा सकता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में इन वर्षों में वृद्धि हुई है ।
- डी ई जी की कीमत में वृद्धि होने पर मारफोलीन का उत्पादन कम नहीं होता है, जैसा कि उनके उत्पादन आंकड़ों से देखा जा सकता है । आवेदक तैयार ऑर्डरों के आधार पर और आगामी महीनों में आने वाले नियमित ऑर्डरों को ध्यान में रखकर वस्तु का उत्पादन करता है ।
- जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि घरेलू उद्योग की मारफोलीन में संगत गुणवत्ता नहीं मिलता है, वे इस कथन से असहमत हैं । यह मानते हुए कि उपर्युक्त कथन सही है, निर्यातकों के उत्पाद को आवेदक से बेहतर कीमत मिलनी चाहिए, वस्तुतः सकारात्मक कीमत कटौती से यह सिद्ध होता है कि पहुंच कीमत भारतीय बाजार में याचिकाकर्ताओं की कीमत से कम है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7.5 प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानून पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निम्नानुसार विश्लेषण किया है:

- क. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी हितबद्ध पक्षकार को अपने दावे की पुष्टि अपने अनुरोध करते समय उचित साक्ष्य से की जानी चाहिए । प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आरोप कि आवेदन उचित प्रपत्र में और ढंग से नहीं किया गया है और उसमें कमियां/विरोधाभास हैं, पुष्टिकृत नहीं है । जहां तक आई बी आई एस में सूचित सौदों का संबंध है, इसमें किसी पुनरावृत्ति का पता नहीं चलता है ।
- ख. जहां तक डी जी सी आई एंड एस की तुलना में आई बी आई एस के आंकड़ों को अपनाने के मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार आई बी आई एस के आंकड़ों में प्रदर्शित आयात मात्रा डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में प्रदर्शित मात्रा से अधिक है और इसी लिए वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ आई बी आई एस के आंकड़े अपनाए गए हैं ।
- ग. आयात आंकड़ों के संबंध में ये प्रश्नावली के उत्तर और आई बी आई एस के आंकड़ों में प्रदर्शित किए गए आंकड़ों पर आधारित हैं ।
- घ. जहां तक जांचोत्तर अवधि में आवेदक के निष्पादन के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांचोत्तर आंकड़ों पर पाटन या क्षति विश्लेषण करने के लिए विचार किया गया है ।

- ड. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में यह अपेक्षित नहीं है कि आवेदक को पाटन के कारण हुई क्षति दूर करने की मांग करने से पूर्व भारत में मांग को पूरा करने और इसे पर्याप्त क्षमता रखने में सक्षम होना चाहिए ।
- च. आय की वांछित दर के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी अपनी सुसंगत परंपरा के अनुसार क्षति रहित कीमत निर्धारित करते हैं जिसकी अनुमति वर्तमान मामले में भी दी गई है ।
- छ. जहां तक आवेदक के संयंत्र को बार-बार बंद किए जाने का संबंध है, घरेलू उद्योग ने यह स्पष्ट किया है कि संयंत्र को *** दिन की अवधि के लिए रखरखाव हेतु बंद किया गया था और ग्राहकों से ऑर्डरों की कमी के कारण कंपनी *** दिन तक अपना उत्पादन बंद करने के लिए बाध्य हुई थी ।
- ज. आर एंड डी कार्यकलापों के बारे में आवेदक ने यह स्पष्ट किया है कि उसने न तो किसी आर एंड डी व्यय का दावा किया है और न ही संबद्ध वस्तु के बारे में अपनी वार्षिक रिपोर्ट में ऐसा प्रदर्शित किया है । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत की गणना करते समय किसी आर एंड डी व्यय पर विचार नहीं किया गया है ।
- झ. गुणवत्ता के दावों के बारे में हितबद्ध पक्षकार के तर्कों की पुष्टि नहीं की गई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुणवत्ता में किसी अंतर के लिए समायोजन पर क्षति मार्जिन के निर्धारण के समय विधिवत विचार किया जा सकता है ।
- ट. जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि आवेदक द्वारा वर्ष 2007-08 में विचाराधीन उत्पाद का सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन नहीं किया गया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षति के दावे की जांच करने की प्राधिकारी की सुसंगत परंपरा रही है ।
- ठ. अमरीका से कच्ची सामग्री के आयात और निर्यातों के कारण आवेदक के बाजार हिस्से में गिरावट से संबंधित तर्कों के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन तर्कों की पुष्टि नहीं की गई है ।
- ड. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि टायर क्षेत्र में वैश्विक आर्थिक मंदी से मारफोलिन की कीमत में गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन तर्कों की पुष्टि नहीं की गई है ।
- ढ. जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि डी ई जी की कीमत में वृद्धि होने पर मोरफोलीन का उत्पादन घट जाता है प्राधिकारी ने उत्पादन आंकड़ों का सत्यापन किया है और इसका निर्धारण जांच परिणाम में तदनुसार किया जाएगा ।

- ण. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि वर्ष 2009 और जांच अवधि के दौरान घरेलू उत्पादक की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट आई है, स्पष्ट नहीं है क्योंकि वर्ष 2008 से 2009 तक क्षमता उपयोग में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई थी जब 2009 में लाभप्रदता कम रही थी; प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान आवेदक की क्षमता वही रही है और इस प्रकार इस तर्क को हितबद्ध पक्षकार द्वारा सिद्ध करने की जरूरत है ।
- त. उत्पादन लागत, आवेदक कंपनी द्वारा उत्पादित विभिन्न अमीनों की उत्पादन क्षमता, बाजार हिस्से, मांग की तुलना में क्षमता, आवेदक की बिक्री कीमत और आयात कीमत के बीच संबंध, कीमत कटौती या कीमत ह्रास, लाभप्रदता, उत्पादकता, कच्ची सामग्री तथा मजदूरी लागत में वृद्धि, कारणात्मक संबंध के अभाव आदि से संबंधित मुद्दों से जुड़ी अन्य क्षति की जांच इन जांच परिणामों के संगत खंडों में समुचित रूप से की गई है ।

संचयी निर्धारण

7.5.1 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की तीन प्रतिशत (या अधिक) है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के सात प्रतिशत से अधिक है, और

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

7.6 प्राधिकारी नोट करते हैं कि:-

- भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन कई देशों से किया जा रहा है ।
- प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है;

- आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं जैसा कि निम्नलिखित से स्पष्ट होता है:-

क. संबद्ध देशों के उत्पादों द्वारा विनिर्मित उत्पाद और आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पाद में तुलनीय गुणधर्म हैं । दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त वस्तुएं आपस में समान हैं ।

ख. ऐसे सामान्य पक्षकार हैं, जो विभिन्न स्रोतों से आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु का उपयोग कर रहे हैं । आयातित और घरेलू संबद्ध वस्तुएं, दोनों का उपयोग अदल बदल कर किया जा रहा है तथा घरेलू उत्पाद एवं आयातित उत्पाद एवं आयातित उत्पादों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है ।

ग. संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने समान अवधि में उन्हीं ग्राहकों को उत्पाद की बिक्री की है । बिक्री के माध्यम तुलनीय हैं ।

घ. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात मात्रा अत्यधिक है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्धता जैसे किसी बाह्य विचार से किए गए आयातों का उपर्युक्त परिदृश्य पर प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।

7.7 उपर्युक्त से प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण करना उचित होगा ।

7.8 पाटनरोधी नियमों के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ; (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के बारे में प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

7.9 जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (iv) में निम्नानुसार प्रावधान है : "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री,

लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

मांग एवं बाजार हिस्सा

7.10 आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा भारत में हुए कुल आयातों में जोड़ दी गई है जिसका संक्षेप में उल्लेख निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09- जून'10 [जांच अवधि]
से आयात					
संबद्ध देश	मी.ट.	2,989	2,906	4,389	4,815
अन्य देश	मी.ट.	184	199	32	-
कुल आयात	मी.ट.	3,174	3,106	4,421	4,815
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
मांग	सूचीबद्ध	100	97	138	146

7.11 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और अत्यधिक वृद्धि हुई है । जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि आधार वर्ष की तुलना में लगभग 46% रही थी । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 20% की वृद्धि हुई है ।

आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

7.12 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (ii) में प्रावधान है कि "पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष अत्यधिक वृद्धि हुई है " इस प्रकार, जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।

7.13 आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु का आयात विभिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों में किया जा रहा है । इसके अलावा, आई बी आई एस आंकड़ों में सूचित विचाराधीन उत्पादों के आयात डी जी सी

आई एंड एस के आंकड़ों में सूचित आयातों से काफी अधिक हैं और इसलिए आयात मात्रा का निर्धारण आई बी आई एस के आंकड़ों तथा सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर किया गया है ।

7.14 प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

(क) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में निम्नलिखित तालिका के अनुसार समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है ।

से आयात	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09- जून'10 [जांच अवधि]
चीन जन.गण.	मी.ट.	426	1,220	492	511
अमरीका	मी.ट.	1,202	348	1,387	1,419
ई यू	मी.ट.	1,361	1,339	2,510	2,885
अन्य देश	मी.ट.	184	199	32	-
संबद्ध देश	मी.ट.	2,989	2,906	4,389	4,815
कुल आयात	मी.ट.	3,173	3,106	4,421	4,815

(ख) यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :-

मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2007-08	2008-09	2009- 10	जुलाई'09- जून'10 [जांच अवधि]
संबद्ध देश	सूचीबद्ध	100	100	106	110
अन्य देश	सूचीबद्ध	100	111	13	0
घरेलू उद्योग	सूचीबद्ध	100	98	95	82

7.15 उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि :

- क. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है ।
- ख. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में और कुल आयातों की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है ।
- ग. जांच अवधि में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है ।

आयातों का कीमत प्रभाव

7.16 जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। कीमत कटौती की मात्रा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की है। निवल बिक्री प्राप्ति की गणना समस्त रिबेटों और करों को घटाने के बाद की गई थी। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे कीमत में भारी कटौती हुई है। स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	पहुंच मूल्य (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती (%) रेंज
एन एस आर .*** प्रति/ किग्रस.			
देश/संघ शासित			
चीन जन.गण.	***	***	1-5
अमरीका	***	***	5-10
ई यू	***	***	1-5
समग्र रूप से संबद्ध देश	***	***	1-5

7.17 प्राधिकारी ने समग्र यप में संबद्ध देशों से कीमत कटौती का संचयी निर्धारण भी किया है जो निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09- जून'10 [जांच अवधि]
औसत पहुंच आयात कीमत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती राशि	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती %	रेंज	5-10	(10-15)	0-5	0-5

कीमत हास/कीमत न्यूनीकरण

7.18 यह निर्धारित करने के लिए कि क्या संबद्ध देशों से आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में हास/न्यूनीकरण हो रहा था, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत और आयातों की औसत पहुंच कीमत के साथ की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:-

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09- जून'10 [जांच अवधि]
बिक्री की लागत	रू./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	93	99
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रू./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	83	87
लाभ/हानि	रू./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	162	12	(6)
संबद्ध देशों की औसत पहुंच कीमत	रू./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	86	91

7.19 उपर्युक्त से यह स्पष्ट होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, निवल बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में आई गिरावट की तुलना में अधिक है जिससे कीमत हास का पता चलता है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

7.20 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

7.21 घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है । :-

उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग

7.22 घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग का नीचे उल्लेख किया गया है :

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09-जून'10 [जांच अवधि]
क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	231	229
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	231	229
घरेलू बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	132	120
मांग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	138	146
मांग के % के रूप में घरेलू बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	95	82

7.23 उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि :

- क) समूची क्षति अवधि में घरेलू उद्योग ने स्थापित क्षमताओं का वही स्तर बनाए रखा है ।
- ख) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में 46% की वृद्धि हुई है जबकि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में 20% की वृद्धि हुई है ।

लाभप्रदता

7.24 घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति एवं लाभ/हानि निम्नानुसार रही है:-

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09-जून'10 [जांच अवधि]
बिक्री की लागत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	विवरण	इकाई	90	93	99

घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रू./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	83	87
लाभ/हानि	रू./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	162	12	(6)
लाभ/हानि घरेलू बिक्री	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	154	16	(7)
घरेलू बिक्री पर पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	39	20

7.25 यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्ष 2008-09 तक सुधार हुआ है लेकिन वर्ष 2009-10 से उसमें गिरावट शुरू हुई और जांच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई जिससे जांच अवधि के दौरान उसे भारी वित्तीय घाटा हुआ ।

निवेश पर आय और नकद प्रवाह

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09- जून'10 [जांच अवधि]
आर ओ आई- जी एन एफ ए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	148	36	19
आर ओ आई- जी जीएफए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	157	36	19
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	156	36	18
मूल्यहास	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	162	120	120

7.26 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान निवेश पर आय और घरेलू उद्योग के नकद लाभ में भारी गिरावट आई है जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट हो जाएगा । निवेश पर आय का निर्धारण उत्पाद हेतु लगाई गई पूंजी पर आय तथा पी बी आई टी पर विचार करते हुए किया गया है । नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण मूल्यहास से पूर्व लाभ परंतु ब्याज लागत के बाद की स्थिति पर विचार करते हुए किया गया है । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में नकद लाभ में पर्याप्त गिरावट प्रदर्शित हुई है । यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मूल्य हास में वृद्धि हुई है । वर्ष 2008-09 के बाद मूल्यहास लगभग समान

रहा है जबकि लाभ में गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि लाभ में गिरावट मूल्यहास व्यय में वृद्धि के कारण नहीं आई है।

बाजार हिस्सा

7.27 निम्नलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि वर्ष 2008-09 में गिरावट को छोड़कर भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है। तथापि, भारत में उत्पाद की मांग में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09-जून'10 [जांच अवधि]
संबद्ध देश	सूचीबद्ध	100	100	106	110
अन्य देश	सूचीबद्ध	100	111	13	0
घरेलू उद्योग	सूचीबद्ध	100	98	95	82
मांग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	138	146
मांग के % के रूप में घरेलू बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	95	82

रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

7.28 रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09-जून'10 [जांच अवधि]
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	86	86
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	222	218
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट./दिवस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	230	228
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	266	264

उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है और मजदूरी में वृद्धि हुई है। तथापि, यह देखा जाता है कि कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है और वर्तमान विश्लेषण में इन मुद्दों पर उसका निष्पादन उचित नहीं हो सकता।

मालसूची

7.29 मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जुलाई'09-जून'10 [जांच अवधि]
औसत मालसूची	-मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	21	263	197
क्षमता उपयोग	सूचीबद्ध	100	120	231	229

7.30 उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में औसत मालसूची में वृद्धि हुई है। स्पष्टतः संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपनी वस्तु बेचने में समर्थ नहीं रहा है।

वृद्धि

7.31 आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूची और बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक थी जबकि उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा के संबंध में यह सकारात्मक रही थी। कीमत मापदंडों अर्थात् लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में वृद्धि नकारात्मक रही है।

निधि जुटाने की क्षमता

7.32 यह नोट किया जाता है कि कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है और वर्तमान विश्लेषण में इन मुद्दों पर उसका निष्पादन उचित नहीं हो सकता।

वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

7.33 अतः यह देखा जाता है कि :

- (क) संबद्ध देशों से आयात में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है।
- (ख) आयातों में वृद्धि भारत में आयात, भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में हुई है।
- (ग) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है।
- (घ) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई है। यद्यपि, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में भी गिरावट आई है तथापि, बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट से अधिक रही थी जिससे कीमत में अत्यधिक ह्रास हुआ था।
- (ङ) क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई परंतु बिक्री में यह वृद्धि मांग में वृद्धि की तुलना में कम रही थी। मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री नहीं कर सका जिससे मालसूची में बढ़ोत्तरी हुई।
- (च) पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई।
- (छ) घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में भारी गिरावट आई है।
- (ज) घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि मालसूची को निपटाने के लिए उसने निर्यात किए हैं।

(झ) पाटन मार्जिन काफी अधिक है ।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का अनंतिम मत यह है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

अ. कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग के अनुरोध

घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि जांच अवधि में उसके बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है ।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

कारणात्मक संबंध का अभाव है क्योंकि बाजार हिस्से में गिरावट याचिकाकर्ता की क्षमता सीमित होने के कारण आई है और इसलिए उसकी वजह पाटित आयातों को नहीं माना जा सकता ।

8. पाटनरोधी नियमों के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करना अपेक्षित है जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति की वजह पाटित आयातों को नहीं माना जा सके । इस संबंध में जो कारक संगत हैं उनमें अन्य के साथ-साथ शामिल हैं- पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता । इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमों में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । यह पाया गया था कि :-

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत: प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्षों में तीसरे देशों से आयात या तो नगण्य रहे हैं या उनकी मात्रा न्यूनतम सीमा से कम रही है । वस्तुतः जांच अवधि में कोई आयात नहीं हुआ है । अतः तीसरे देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है ।

ख. मांग में कमी और खपत की पद्धति में परिवर्तन: यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में 46% की वृद्धि हुई है । खपत की पद्धति में परिवर्तन का भी कोई संकेत नहीं है ।

ग. विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा: संबद्ध वस्तु के आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं हैं और यह देश में मुक्त रूप से आयात योग्य है। घरेलू उत्पादक संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से प्रतिस्पर्धा करते हैं। घरेलू उद्योग की कीमत संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से अत्यधिक प्रभावित होती है। तथापि, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे यह पता चले कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में कोई परिवर्तन हुआ है।

घ. प्रौद्योगिकी विकास: किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के रूप में प्रौद्योगिकी विकास का कोई मुद्दा नहीं उठाया है। प्रौद्योगिकी में अत्यधिक विकास के बारे में कोई सूचना रिकॉर्ड में नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का प्रमुख कारण माना जा सके।

ङ. निर्यात निष्पादन: प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वृद्धि हुई है। अतः निर्यातों में संभावित गिरावट ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वे देश में उनके उत्पाद की मांग में कमी के कारण ही निर्यात करने को बाध्य हुए हैं क्योंकि भारतीय बाजार में पाटित आयात मौजूद थे।

8.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है तथापि, निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

- (क) विचाराधीन उत्पाद के आयात में भारी वृद्धि हुई है और संबद्ध देश का बाजार हिस्सा बढ़ा है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।
- (ख) स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने भारत में पाटित संबद्ध वस्तु की मौजूदगी के कारण बिक्री मात्रा गंवाई है।
- (ग) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण समग्र रूप में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हुई है।
- (घ) आयातों से घरेलू कीमतों में भारी ह्रास हो रहा है।
- (ङ) पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के लाभ तथा लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई है।
- (च) कई मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन नकारात्मक बन गया है।

क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

8.2 प्राधिकारी ने यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है।

सहयोगी निर्यातक

विवरण	इकाई	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कापोरेशन (अमरीका)	बी ए एस एफ एस ईई यू	मै. अन्हुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि. (चीन जन.गण.)
एन आई पी	अम.डॉ./किग्रा.	***	***	***
पहुंच कीमत	अम.डॉ./किग्रा.	***	***	***
क्षति मार्जिन	अम.डॉ./किग्रा.	***	***	***
क्षति मार्जिन रेंज	%	20-25	10-15	10-15

असहयोगी निर्यातक

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	अमरीका	ई यू
एन आई पी	अम.डॉ./किग्रा.	***	***	***
पहुंच कीमत	अम.डॉ./किग्रा.	***	***	***
क्षति मार्जिन	अम.डॉ./किग्रा.	***	***	***
क्षति मार्जिन(%) रेंज	%	30-35	40-45	30-35

ट. निष्कर्ष:

9. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के बाद और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिससे संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटन हुआ है ।
- ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु से वास्तविक क्षति हुई है ।
- ग. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

घ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः "पाटन" की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई "क्षति" को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

10.1 यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

ड. सिफारिशें

11 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू और संपन्न करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से सकारात्मक पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक "पाटन एवं क्षति" को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है । अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध

वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

- 12.1 प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	2933.39.17	मोरफोलिन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. अन्हुई हाओयुआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	मै. अन्हुई हाओयुआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	0.29	किग्रा.	अम.डॉ.
2.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र. सं. 1 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.63	किग्रा.	अम.डॉ.
3.	-वही-	-वही-	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.63	किग्रा.	अम.डॉ.
4.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.63	किग्रा.	अम.डॉ.
5.	-वही-	-वही-	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ	मै. बी ए एस एफ एस ई	मै. बी ए एस एफ एस ई	0.35	किग्रा.	अम.डॉ.
6.	-वही-	-वही-	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ	क्र. सं. 5 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.68	किग्रा.	अम.डॉ.
7.	-वही-	-वही-	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ	कोई	0.68	किग्रा.	अम.डॉ.
8.	-वही-	-वही-	यूरोपीय संघ	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.68	किग्रा.	अम.डॉ.

9.	-वही-	-वही-	अमरीका	अमरीका	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन	मै. हंट्समैन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन	0.50	किग्रा.	अम.डॉ.
10.	-वही-	-वही-	अमरीका	अमरीका	क्र. सं. 9 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.81	किग्रा.	अम.डॉ.
11.	-वही-	-वही-	अमरीका	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.81	किग्रा.	अम.डॉ.
12.	-वही-	-वही-	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	अमरीका	कोई	कोई	0.81	किग्रा.	अम.डॉ.

ढ. आगे की प्रक्रिया

12.2 प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:--

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इन जांच प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है ।
- (ग) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए एक सुनवाई आयोजित करेंगे ।
- (घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (ङ) प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमों के अनुसार अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th August, 2011

Preliminary Findings

Subject :— Anti-Dumping Investigation concerning imports of 'Morpholine' originating in or exported from China PR, European Union and USA.

No.14/41/2010-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the AD Rules);

A. PROCEDURE

2. The procedure described herein below has been followed:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the AD Rules, received a written application from the M/s. Balaji Amines Ltd., Sholapur, Maharashtra on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Morpholine' (hereinafter also referred to as the subject goods); originating in or exported from China PR, European Union and USA (hereinafter also referred to as the subject countries/territory).
- ii. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territory. The Authority notified the Representative office / Embassies of the subject countries in India about the receipt of the application containing, *inter alia*, allegations of dumping and consequent injury to the domestic industry before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the AD Rules. The Authority issued a public notice dated 7th December, 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territory, in accordance with the Rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry. Subsequently, a corrigendum dated 15th December 2010 was issued on the captioned subject.
- iii. The Authority sent a copy of initiation notification dated 7th December 2010, to the Representative office / Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries/territory, known importers/ users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

- iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Representative office / Embassies of the subject countries/territory in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- v. Representative office / Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their country/territory to respond to the questionnaire(s) within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire(s) sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- vi. The Authority sent questionnaire(s) to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries/territory in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Name of Producer/Exporter
1	M/s.Huntsman Corporation UK Ltd. Llanelli Plant, Bynea Llanelli, Carmarthenshire Sa 149 Te, UK
2	M/s. BASF SE 67056 Ludwigshafen Germany
3	M/s. Huntsman Corporation 10003 Woodloch Forest Drive The Woodlands, Tx 77380. USA
4	M/s. BASF Corporation Geismar Site 8404 River Road, Geismar La-70734, Louisiana. USA
5	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co.Ltd No.1 Fukang Road, Fuyang Anhui China PR
6	M/s. Puyang Wiilling Chemicals Co.Ltd. Industrial And Commercial Newzone, Puyang, Henan, China PR
7	M/s. Tianyou Pharma Co.Ltd Buliding 4-1-501,Jialv Beiyuan, Hangzhou,China PR

- vii. In response to the above notification, following interested parties including exporters/ producers/ Association have responded:

S.N.	Name of Producer/Exporter	Country/Territory
1	M/s. Huntsman Corporation UK Ltd.	European Union
2	M/s. Huntsman Petrochemical Corporation	USA
3	M/s- BASF SE	European Union
4	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	China PR

- viii. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Company's Name	S.N.	Company's Name
1	Urmi Chemicals	28	Kantilal Manilal & Co.,
2	Sajjan India Ltd.	29	Orchid Chemicals & Pharmaceuticals Ltd.
3	Thermax Ltd.	30	Surya Pharmaceuticals Limited
4	NOCIL Ltd.	31	Harman Finochem Ltd.
5	Amjey Chemicals	32	Banwarilal Jhanwar & Sons
6	Khyati Chemicals Pvt.Ltd.	33	Hindustan Speciality Chemicals
7	Paramount Minerals & Chemicals Ltd.	34	Leo Chemoplast Pvt .Ltd.
8	Diamond Dye-Chem Ltd.	35	Shakti Chemicals
9	C J Shah & Co.	36	Sanjay Chemicals (India) Pvt.Ltd.
10	Alfa Chemical Corporation	37	Bilag Industries Ltd.
11	Merchem Ltd.	38	Indoco Remedies Limited
12	Unimark Remedies Limited.	39	Cipla Limited
13	Lupin Ltd	40	Thermax Ltd.
14	Harman Finochem	41	Clariant Chemicals (I) Limited
15	Clariant Chemicals (I) Limited	42	BASF India Limited
16	Merchem Limited	43	ION Exchange (India) Limited
17	Aasrti Industries Ltd.	44	PMC Rubber Chemicals India Pvt.Ltd.
18	Lofty Laboratories Pvt Ltd	45	Aurobindo Pharma Ltd
19	Hetero Drugs Limited	46	Surya Pharmaceuticals Ltd
20	Gail India Limited	47	Sri Krishna Drugs Ltd
21	Viswaat Chemicals Ltd.	48	Thermax Ltd.
22	Laffane Petrochemicals Ltd.	49	Reliance Industries Limited
23	Bajaj Hindustan Limited	50	Virchow Laboratories Ltd
24	SMS Pharmaceuticals Ltd	51	Panchsheel-Organics Ltd
25	Amines & Plasticizers Limited	52	Dhanuka Laboratories Limited
26	The Waxpol Industries Limited	53	IOCL Mathura
27	Jaipur Scientifics & Chemicals	54	Avon Organics Limited

ix. In response to the above notification, following importers/ users, Association have responded:

S.N.	Importer's Name
1.	M/s BASF India Ltd.
2.	M/s Khyati Chemicals Pvt. Ltd.
3.	M/s NOCIL Ltd.
4.	M/s Bhanwarlal Jhanwar & Sons

x. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters/producers and Embassy of China PR in New Delhi. For the purpose of

initiation, the Normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR, as the applicant pleaded that the information for market economy third country is not available to them. This claim has not been contested by any other interested party. The Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicants in the light of paras 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of the Annexure of the AD Rules to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to co-operative exporters/producers from China PR.

- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation.
- xiii. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st July 2009 to 30th June 2010 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2007-March 2008, April 2008-March 2009, April 2009-March 2010 and the POI.
- xv. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

B. Miscellaneous Issues

Submissions made by domestic industry

2. The exporters have claimed excessive confidentiality without any proper justification. Further, non-confidential version of the questionnaire response has not been given for all the information contained in the confidential version without assigning proper reasons.

Submissions made by other interested parties

- 2.1 The submissions made by interested parties, in brief, are as follows:

- The applicant has claimed excessive confidentiality by not disclosing even the figures which are available in the public domain.
- The period 2006-07 should not be excluded from the injury period as the POI in the present investigation has 9 months overlapping with preceding year. This implies reducing the injury period to three years.

Examination by the Authority

- 2.2 The Authority has taken note of the above submissions. The information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the 'facts available'.
- 2.3 As regards the issue that period 2006-07 should not have been excluded from the injury period as the POI in the present investigation has 9 months overlapping with preceding year; the Authority notes that it has followed its consistent practice, which is also in line with Trade notice no. 2 dated 12th May 2004, *inter alia*, issued on the subject.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

3. The product under consideration is 'Morpholine'. It has been stated that Morpholine is an extremely versatile chemical and is used as a chemical intermediate in the rubber industry, in corrosion control, and in the synthesis of a large number of drugs. It is also used for crop protection agents, dyes and optical brighteners. Morpholine is a solvent for a large variety of organic materials, including resins, dyes and waxes. It can be used as a catalyst.
- 3.1 Morpholine is used in the in toiletry and cosmetic products at concentrations up to 5% (Cosmetic Ingredient). It can be use for / in the several direct and indirect food additive applications. Morpholine is used as intermediates for rubber accelerators and as corrosion inhibitor in steam boiler systems. It is used for optical brighteners in detergent formulations. Morpholine derivatives are used in rubber vulcanization, stabilization and the manufacture of special high-speed tyres. Morpholine may be released during rubber processing. Morpholine has volatility similar to water. Morpholine derivatives such as N-methylmorpholine and N-ethylmorpholine are used as Catalysts for the production of polyurethane foams. Morpholine derivatives are also used as analgesics and local anesthetics, antibiotics, antimycotics and for plaque control in dentistry. Morpholine is used in several direct and indirect food additive applications. Morpholine is used by the cosmetic industry also.
- 3.2 The product falls under customs classification 2933.39.17. It has, however, been contended by the applicant that Morpholine has been imported under several Customs Tariff-head's classifications. Thus, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Like Articles

Submissions made by domestic industry

4. The applicant has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the AD Rules.

Examination by the Authority

- 4.1 The Authority notes that the above claim has not been disputed by any other interested parties. Thus, for the purpose of these preliminary findings, the Authority determines that the subject goods produced by the applicant domestic industry is like article to the product under consideration in accordance with the AD Rules.

D. SCOPE OF 'DOMESTIC INDUSTRY' & 'STANDING'

5. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under:

'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only.

- 5.1 The Application has been filed by M/s. Balaji Amines Ltd. on behalf of the domestic industry. As per information available on record, M/s. Balaji Amines Ltd. is the sole producer of the subject goods in India

Submissions made by other interested parties

- 5.2 The following submissions, in brief, have been made by the other interested parties :

- The applicant is not the sole producer and that there is one more producer, namely M/s. Amines and Plasticizers Limited, which has not been disclosed at all to Authority.
- From the perusal of the information given on the websites named www.tradeindia.com and www.indianindustry.com, it can be seen there are number of buyers and sellers of Morpholine in India. In spite of the said information being readily available in the public domain, the Applicant has sought to exclude other Indian Producers of the PUC/like product from the ambit of 'domestic industry'
- A bare perusal of websites will establish that there are several other domestic producers and the claim of Petitioner being sole producer in India falls flat. The petitioner may not have the locus to file the present petition as they may not have the required 25% share in Indian Production.
- Petitioner being an importer of subject goods from subject countries has no locus to file the petition. Further, it has imported around 92 MTS from the said exporter in 2008.

Submissions made by domestic industry

- 5.3 They are the sole producer of Morpholine in India. An e-mail received from Mr. A.D. Mate, Vice President, Materials, M/s-Amines and Plasticizers Limited was filed by them confirming that they do not produce Morpholine. The domestic industry has stated that in fact M/s. Amines and Plasticizers Limited purchases Morpholine from them and produces derivatives of Morpholine. Reference in this regard has been made to the transaction-wise sales details during the POI to substantiate the point.

Examination by the Authority

- 5.4 The Authority has noted the arguments raised by the interested parties. In response to the allegation that M/s. Amines and Plasticizers Limited is also a domestic producer of the subject goods; the applicant has submitted an E-mail received from Vice President of M/s. Amines and Plasticizers Limited, clarifying that the company does not produce the subject goods. In fact, it was clarified that the company purchases Morpholine from the applicant and produces derivatives of the same. Besides, the Applicant has also submitted customer-wise sales wherein it can be seen that M/s. Amines and Plasticizers Limited has purchased 56,000 KG of Morpholine from the Applicant in POI which gives credence to the claim of Domestic Industry that they are the only producer of the subject goods in India.
- 5.5 As regards the enterprises referred to in the web-sites, the Authority wrote to the companies. *inter alia*, eliciting information whether they produce the subject goods. However, no response thereto was received from them communicating that they do produce the subject goods.
- 5.6 As regards imports made by the Applicant from the said exporter during 2008; the Applicant has stated that they had imported *** MT of Morpholine from China PR during the year 2008-09 because they had faced a problem in procuring DEG (the major raw material to produce Morpholine) during some period of this year and as the company had pending order in hand and thus had to execute these orders, so it had imported the PUC. The Authority further notes that no imports of the subject goods have been made by the Applicant during the POI.
- 5.7 As per the evidence available on record, the production of M/s. Balaji Amines Ltd. is the sole producer of the subject goods and accounts for the entire domestic production of the like article. Thus, the application satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s. Balaji Amines Ltd. is being treated as 'domestic industry' within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules for the purpose of present findings.

E. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions made by interested parties

6. M/s. Khyati Chemicals Pvt. Ltd., in brief, has submitted as follows:

- The methodology stated in the initiation notification for the determination of Normal value for USA and EU is different from the claim made by the Applicant in the petition.
- The raw material prices taken for constructing Normal value are not for POI. Hence, normal value is not for POI.
- The constructed normal value for China PR cannot be higher than the cost of production in India and the same cannot be higher than the normal value of other subject countries.
- The various adjustments claimed by petitioner to arrive net export price are highly inflated, unrealistic and they have not provided any evidence of the same.
- With regard to the determination of normal value in case of USA and EU on the basis of exports price, there is no prescribed methodology in the ADD rules.
- The landed price of applicant's export cannot be fit for the determination of normal value as the imports made by the subject countries can be for exports.
- The DEG prices from DGCI&S for the construction of normal value are incorrect. The reason being from month by month analysis it is evident that prices are abnormally high in some month. Therefore, transaction by transaction analysis should be done in order to have fair comparison.
- After revising normal value and export price on the above basis, the dumping margin is coming negative in respect of subject countries.

Submissions made by M/s. Huntsman Corporation, UK Ltd. and M/s Huntsman Petrochemical Corporation, USA

6.1 The following submissions, in brief, have been made by the companies:

- The normal value determined by the Applicant is based on conjectures. The normal value on the U.S. and EU market was calculated based on the Applicant's own export price. This methodology is not permitted under the Rules.
- There is absence of proper comparison between normal value and export price as the Applicant has taken landed prices in the exporting countries before adjustments whereas export price is net of a large number of adjustments.

Examination by the Authority

- 6.2 The Authority notes that the Applicant domestic industry is required to provide information that is reasonably available to it and sufficient information was made available to justify initiation of the investigation in the instant matter.
- 6.3 As regards the issue of methodology used stated in the initiation notification for the determination of Normal value for USA and EU is different from the claim made by the Applicant in the petition; the Applicant had submitted that China PR is a NME country and that they could not determine the Normal value on the basis of price or constructed value in

a market economy third country as the relevant information is not available to them. It was further submitted by them that India is an appropriate surrogate country for Chinese producers. Therefore, Normal value was determined by them on the basis of cost of production of India. However, the Authority moderated these claims considering the difference between the international prices of the raw-materials *vis a vis* the price of these inputs as procured by domestic industry and adopted the lesser value. It was thus determined that there was sufficient evidence of record in this respect to justify initiation of the investigation.

- 6.4 As regards the determination of Normal value for EU and USA; the Applicant had contended that they have made all possible efforts to get information/evidence of price of the subject goods in the domestic market of USA and EU but could not succeed. However, as they had exported the subject goods to both USA and EU in substantial volumes; and as the export price to these countries would also reflect the prevailing domestic prices of the subject goods in these countries; the Normal values for EU and USA was determined on the basis of the landed price in these countries. The Authority noted that ordinarily the domestic selling prices of the subject goods in EU and USA should be higher than the landed values, assuming that the goods were not sold at a loss.
- 6.5 The Authority, however, notes that it expects concerned exporters/producers from the subject countries to co-operate in the investigative process by filing their exporter's questionnaire response for facilitating appropriate determination of the dumping margins.
- 6.6 A perusal of the exporters' questionnaire response shows that the dumping margin is significantly positive.
- 6.7 As regards the issue of DEG prices; the international prices of this input were obtained and compared with the prices at which the input was obtained by the domestic industry; the lesser price has been considered while constructing the Normal values.

NORMAL VALUE

- 6.8 The Authority sent questionnaire to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Response to the questionnaires were received from the following:

S.N.	Name of Producer/Exporter	Country/Territory
1	M/s. Huntsman Corporation UK Ltd.	European Union
2	M/s. Huntsman Petrochemical Corporation	USA
3	M/s- BASF SE	European Union
4	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	China PR

Examination of Market Economy claims in respect of China PR by the Authority

- 6.9 The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.
- 6.10 As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether: -
- the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 6.11 The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant has claimed that China PR should be treated as Non Market Economy and therefore Normal value in case of China PR should be determined in accordance with Para 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules. The applicant has submitted that they have not been able to access information from a market economy third country for the purposes of determination of Normal value in respect of China PR and has pleaded that India can be considered as an appropriate market economy third country for determination of normal value in China PR. The Authority informed known exporters/producers from China PR that it proposes to examine the claim of the Applicant in the light of para 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish, *inter alia*, necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of the Annexure I of the AD Rules to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporters/producers from China PR.

- 6.12 The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; one Chinese producer/exporter, namely M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd has submitted its questionnaires' responses including the market economy questionnaire response and has sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy response of the respondent were examined for determination of Normal value of the responding producer/exporter of the subject goods from the subject country and deficiencies in the submissions were pointed out and clarifications were sought. From a perusal of the response, it was seen that M/s Shanxi Jincheng Anthracite Mining Group ("Jincheng Group") has significant (35%) shareholding in M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd. The Authority notes that M/s Shanxi Jincheng Anthracite Mining Group is wholly owned by Shanxi provincial government and that M/s Shanxi Jincheng Anthracite Mining Group is controlled by the State-owned Assets and Administration Commission of Shanxi province. Besides, clarification was sought from the company to ascertain whether major inputs procured by them for manufacturing the subject goods substantially reflect market values.
- 6.13 In its response, M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd has stated that from the year 1970 to 2002, Haoyuan Chemical's name was Anhui Fuyang Chemical Factory and from the year 2002 to 2007, Haoyuan's name was Anhui Haoyuan Chemical Co., Ltd ("Haoyuan Chemical"). In the year 2002, there were certain individuals who held shares in the Company. At that point of time the shareholding ratio of Haoyuan Chemical was about 80% State-owned and 20% private owned. At the end of the year 2003, all of Haoyuan Chemical's State owned shares were transferred to individuals and employees of company. During the said time, the capital of the Company was also increased. From the year 2003 onwards, the Company has become a privately held company. In the year 2002, Anhui Fuyang Chemical Factory's asset and debts were transferred to Haoyuan Chemical. The factory's assets (including land using right) were valued, and an Assets Valuation Report for land was provided. Furthermore, the operation of assets transfer from to Haoyuan Chemical was on the market price. It has been claimed that presently, there is no State interference in the operation of Haoyuan but it has also been acknowledged that M/s Shanxi jincheng Anthracite mining Group ('Jincheng Group') has 35% of the shares of the Company.
- 6.14 However, the Authority notes that Article 2 of Chinese 'Supervision and Administration of Enterprise State-owned Assets Tentative Regulations' dated May 27 2003 specifies that these Regulations shall apply to the supervision and administration of the State-owned assets of enterprises owned, controlled or participated in by the State.
- 6.15 Considering the above facts, State interference in the decisions of the company regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment etc cannot be ruled out. Thus, the Authority at this stage notes that M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd has not been able to rebut the NME presumption in the instant matter, subject to further investigation and verification.

Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from China PR**6.16 Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that**

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

- 6.17 The Authority notes that sufficient information and evidence is not available on record in respect of the price or constructed value of a market economy third country that has the comparable level of development *vis a vis* China PR, particularly considering the subject goods. Thus, in view of the above facts, the Authority, for the purpose of preliminary determination, proceeds to provisionally determine the Normal value in respect of exporters/producers from China PR on available reasonable basis, in terms of second proviso of para 7 of Annexure I to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration have been provisionally determined based on constructed costs of production, duly adjusted. The Normal Values have been constructed as per the methodology described below:

Methodology adopted for constructing Normal Value in case of China PR

- 6.18 Accordingly, the Authority has constructed Normal value for producers in China PR on the following basis:
- a. Price of Ammonia has been considered on the basis of international price prevailing during the POI, i.e. World export price to China as per World Trade Atlas.
 - b. Price of DEG has been considered on the basis of domestic industry as international price, prevailing during the POI, as per World Trade Atlas are abnormally high.
 - c. Efficient consumption norms of raw materials of domestic industry considered in NIP have been considered.

- d. The utilities cost and conversion costs of the domestic industry considered in NIP have been adopted.
- e. After arriving total cost of production for CNV as above, 5% profit has been allowed.

6.19 For the purpose of preliminary findings, the normal value so determined comes to *** US\$/kg.

Normal value in respect of EU and USA – responding exporters

6.20 Response to the questionnaire were filed by the following companies:

S.N.	Name of Producer/Exporter	Country/Territory
1	M/s. Huntsman Corporation UK Ltd.	European Union
2	M/s. Huntsman Petrochemical Corporation	USA
3	M/s- BASF SE	European Union

6.21 However, M/s. Huntsman Corporation UK Ltd. vide their communication dated 27th July 2011 has stated that they have decided not to host the on-site verification to be conducted by the investigating team of the DGAD. It was clarified to them that in such an event it is proposed not to determine individual Dumping Margin for the Company. As regards other respondents, the Authority has determined individual dumping margin in respect of these companies. The methodology adopted for determination of Normal values is as follows:

General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Values

6.22 It was first seen, whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters/producers in their domestic markets were representative and viable for permitting determination of Normal values on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made of the subject goods in their home markets. The information so provided has been provisionally relied upon to determine separate weighted average domestic selling price of the subject goods, subject to further investigation and verification. For the determination of the ordinary course of trade test, the costs of production of the product concerned have been provisionally accepted, subject to further investigation and verification. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not. Wherever the profitable domestic sales transactions were found to be accounting for more than 80% of total sales, the weighted average price of all the domestic sales have

been taken into consideration. However, wherever the profitable sales volume was found to be less than 80%, the weighted average price of the profitable domestic sales has been taken into consideration.

Determination of Normal value in respect of Co-operative Exporters / Producers from EU and USA

M/s Huntsman Petrochemical Corporation, USA

- 6.23 From the perusal of the response of the company it is seen that the owner and principal shareholder of Huntsman Petrochemical Corporation is Huntsman Corporation, and the owner and principal shareholder of Huntsman International LLC is Huntsman Corporation.
- 6.24 It has been contended by the company that Morpholine used in rubber accelerator (RA) manufacture commands a much lower price in the United States than Morpholine sold into all other applications such as water treatment, optical brighteners, pharmaceuticals, UV absorbers, waxes, corrosion inhibitors, etc. It has been further contended that RA manufacturers in USA compete with low cost RA manufacturers in Asia and if they were required to purchase Morpholine at the price paid by all other end users, they would be forced to exit the RA business. In order to properly take into account the effect of the demand for Morpholine based rubber accelerators, the export sales to India must only be compared to Huntsman's US sales to RA customers in the in the United States. The Authority, however, notes that contention that the domestic sales be determined on end-use application basis cannot be accepted as per the relevant rules and regulation on the subject.
- 6.25 The questionnaire' response submitted by the company was perused. It was found that the respondent has provided selling price and other details of the subject goods in relevant Appendixes of their response. The information/data filed by the company has been provisionally accepted subject to verification. Accordingly, the Normal value has been determined after carrying out the sufficiency and OCT test. The adjustments as claimed by the company have been provisionally accepted, subject to verification. Accordingly, the normal value for the exporter has been determined which works out as US \$ ***/Kg.

M/s BASF, SE

- 6.26 From the perusal of the response of the company it is seen that there is no difference whatsoever between the Morpholine sold domestically vs. the Morpholine sold into non-domestic markets. All input products used for manufacturing the subject goods were captively produced by BASF.
- 6.27 The questionnaire' response submitted by the company was perused. It was found that the respondent has provided selling price and other details of the subject goods in relevant Appendixes of their response. The information/data filed by the company has been provisionally accepted subject to verification. Accordingly, the Normal value has been determined after carrying out the sufficiency and OCT test. The adjustments as claimed by

the company have been provisionally accepted, subject to verification. Accordingly, the normal value for the exporter has been determined which works out as US \$ ***/Kg.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

- 6.28 The Authority notes that none of the other exporters/producers from EU and USA have responded to the exporter's questionnaire. Therefore, the normal value in their cases has been determined on the basis of 'facts available'.

F. EXPORT PRICE

Export price for the responding exporters

M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd., China PR

- 6.29 The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire responses filed by the respondent. The export prices have been allowed as claimed by the respondent, subject to further investigation and verification. The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of freight, insurance, clearing charges & VAT have been claimed and are provisionally being accepted subject to further investigation and verification.

M/s. Huntsman Petrochemical Corporation, USA

- 6.30 The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of inland freight, ocean freight, marine insurance, handling & other expenses, packing, credit expenses have been claimed and are provisionally being accepted subject to further investigation and verification. The issue of SGA expenses of the trading entities would be looked into during the course of on-the spot verification.

M/s BASF, SE

- 6.31 The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of inland & ocean freight, packing & alloc. selling expenses have been claimed and are provisionally being accepted subject to further investigation and verification.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

- 6.32 Since no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has determined the Export price as per 'facts available' in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative exporters.

G. DUMPING MARGIN

- 6.33 Considering the Normal values and Export prices as determined above, the dumping margins have been determined as follows:

In US\$/Kg

S.No.	Country- Producer/Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %
1.	China PR				
2.	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	***	***	***	25-30
3.	All producers and exporters	***	***	***	50-55
4.	USA	***	***	***	
5.	M/s. Huntsman Petrochemical Corporation	***	***	***	50-55
6.	All other producers and exporters	***	***	***	80-85
7.	EU	***	***	***	
8.	M/s- BASF SE	***	***	***	30-35
9.	All other producers and exporters	***	***	***	55-60

H. INJURY AND CAUSAL LINK**Submissions made by other interested parties**

M/s. Khyati Chemicals Pvt. Ltd.

- 7.1 The company, in brief, has submitted the following:

- The Application is not in the form and manner prescribed. Complete information has not been given. There are lots of inaccuracies/contradiction in the application. There is apprehension that there is a doubling of transactions reported in the IBIS data. The justification given for adoption of IBIS data instead of DGCI&S are factually incorrect as there is no significant difference and there is doubling of transaction reported in IBIS.
- The applicant has claimed desired rate of return as per Performa IVA. Therefore, for calculating NIP the actual return on capital employed as claimed by the applicant should be considered.

- c. The applicant has superb performance in Post POI. The import price has started increasing once again.
- d. The cost of production claimed by the applicant is too high as they have started the production of the subject goods a few years back.
- e. The production capacity of various amines produced by the company is common so proper allocation of expenses needs to be done.
- f. There is absence of causal link as the decline in market share is due to the capacity limitation of the applicant and therefore cannot be attributed to dumped imports.
- g. There is no injury on account of production, capacity utilization, sales, productivity, wages - all shows positive increase.

M/s Bhanwarlal Jhanwar & Sons

The capacity of Indian manufacturer is very limited at present and they are not able to meet the requirement in India. Besides, the prices of Morpholine have gone up now as compared to last year.

M/s. Huntsman Corporation, UK Ltd. and M/s Huntsman Petrochemical Corporation, USA

7.2 The companies, in brief, have submitted the following:

- a. There is no significant increase in the share of imports in relation to demand and production in India. In fact, the subject countries have taken share of third countries imports.
- b. There is no relationship between sales price of the applicant and import prices as in POI the sales price increased by 30% whereas import price increased by only 20%. Moreover, in 2010 the sales price is lower than landed price of imports.
- c. There is no evidence of price undercutting or price suppression. The prices of imports could not have suppressed prices to the extent that increases in costs could not be reflected with an increase in the sales prices of the applicant.
- d. The data shown in the application shows an increase in sales volume and improvement in production and capacity utilization.
- e. Applicant has never been able to fulfill demand in India as its capacity is lower than demand. Not only this it uses capacity of Morpholine production equipment in Tamalwadi to produce more profitable product i.e. methyl amines
- f. The loss of share in market share of the applicant is due to the strategic decision taken by him to concentrate in export market instead of domestic market.
- g. The decline in profitability is substantially disproportionate to the decrease in sales price. However, if there is any decline in profitability then it must be due to increase in cost.
- h. The prices of major raw material i.e. DEG which constitutes at least 60% of the total cost of production has shown steadily increased over the years. Furthermore,

- the exporters are producing the raw material on its own and have cost advantage whereas the applicant has not got this benefit due to not having own production.
- i. The increase in cost is due to increase in raw material price, more than double of wage cost and thus cannot be due to alleged dumped imports.
 - j. The applicant's claim of decline in productivity is self contradictory as at one place it is shown as increase and in other place it is shown as decline due to production.
 - k. The conditions of competition between imports originating in US and the EU differ. The import volume trends have developed very differently as it can be seen that volumes from EU has shown increase over the injury period whereas the volume from USA has shown decline. The major reason of decline in USA imports is that Diamond Dye chem.(the second largest producer in India) has become BASF entity and has started procuring from BASF. In view of above two situations, cumulative assessment of imports should not be done.
 - l. Global economic crises in tyre sector lead to the decline in prices of Morpholine as major portion of the sales of Morpholine is in tyre industries.
 - m. Petitioner's Morpholine does not display a consistent quality. Further, it is not matched with the desired specifications.
 - n. The imposition of ADD is not in the public interest for the reasons stated as the applicant is the sole producer in India and does not have capacity to meet demand of India. The production method is capital intensive which creates barriers for the new entrants.
 - o. Petitioner is unlikely to produce Morpholine because of high volatility in the prices of DEG. The major interest of the applicant is in the production of methyl amines which is the necessary raw material of NMP. Not only this, it produces Morpholine only when DEG prices comes low and methyl amines becomes less profitable.
 - p. Morpholine produced by Petitioner is of lower quality.
 - q. The prices of Morpholine in the export market are higher as compared to the domestic market. Thus, it would increase its supply in export market in order to get better price and limits in domestic market. The impact of increase in prices will be borne by consumers only.

Submissions made by BASF SE

7.2.1 The company, in brief, has submitted the following:

- a. Evidence presented by the applicant to prove dumping and effects of dumping on the market for Morpholine in India does not stand a verification based on the figures disclosed and on published information. The claim of decline of market share of the applicant is not supported by the reported figures in the application. The marginal deviations of the sales development of one single domestic producer do not justify the claim of declining market share. As the demand of the local market has grown considerably, it is natural, that with rather constant market shares of the suppliers, the absolute volumes of imports would increase. The success of the Indian producer on the European market proves the principles and

dynamics of global trade based on the free choice a customer makes amongst various suppliers. The constitution of a case claiming that the Indian producer is being pushed to overseas markets is not convincing.

- b. As regards price differential of imported Morpholine versus domestically produced Morpholine; average raw material costs for DEG in India are considerably higher than in other regions. In order to gain an adequate margin, Morpholine based on local DEG has to be higher priced.
- c. There is no convincing evidence of price suppression; the domestic selling price is independently set compared to the landed price of imports. The claim of decline of domestic production, capacity utilization and sales is highly questionable, since the domestic production has nearly doubled, whereas the domestic demand increased by 40%.
- d. The sharp decline in profitability of the domestic producer in 2009 and during the POI is not explainable by the facts given in the application. It is difficult to understand, why capacity utilization was increased nearly by a factor of 2 from 2008 to 2009, when the profitability in 2009 was so low.

M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd., China PR

7.3 The company, in brief, has submitted the following:

- Petition does not clearly specify whether import data is based on sales contracted or sales realized.
- The Petitioner has claimed injury without supporting the same without any evidence and it has not suffered any material injury as may be evident from analysis of the injury parameters.
- The minor decline in market share of domestic industry in 2009-10 is due to frequent shutdown of Plants.
- Moreover, the company was still undertaking R&D activities on Morpholine. From the annual report of petitioner, it can be seen that they are investing huge money in infrastructure, R&D etc.
- Injury if any is due to other factors; it is due to the unsuccessful development and quality of the developed PUC by the petitioner.
- The commercial production of PUC was not successfully undertaken in the year 2007-08 as can be seen from Annual report.
- Petitioner has imported raw material from one of the subject country i.e. USA. This has led to increase in cost of production. Therefore, injury if any is self inflicted,
- Petitioner has failed to establish causal link between dumped imports and injury suffered by DI.

Submissions of the Applicant domestic industry

7.4 The following submissions, in brief, have been made by the domestic industry:

- It is incorrect to state that DGCI&S data was available up to June 2010 in Oct, 2010 as June-2010 import data was released by DGCI&S on their website on 29th Dec, 2010.
- In respect of argument that 2006-07 period should not be excluded from the injury period, reference is invited to the corrigendum to the initiation notification dated 15th December, 2010 where in the period of injury was modified, which is in line with the application filed and the Trade notice No-2/2004 dated 12th May, 2004 .
- As regards contention that IBIS data should have been adopted instead of DGCI&S; it is submitted that consideration of IBIS data was justified as Import data as per DGCI&S was on a lower side as compared to IBIS data. Imports are being reported in many other classifications in spite of the fact that the product has a dedicated classification. While filing the petition DGCI&S data was available till March, 2010 where as the POI was proposed till June, 2010. It is pertinent to note that imports of this product are being reported under a no. of customs classifications.
- The argument that the cost of production being too high on account of significant amount spent in R&D is not correct as no research and development expenses is reflected in the annual report for 2009-10. Neither petitioner has claimed any such expenses during POI.
- In respect of argument that applicant is not capable to meet demand as its capacity is less than the demand in India and preference is in export market; inability of the Domestic Industry to meet domestic demand cannot justify dumping and cannot prevent the Domestic Industry from seeking protection under Anti dumping law. Winning an award is based on exports made for all the products produced by the company and this does not mean that petitioner has created its capacity for exports. Increase in export price and export volume shows that Indian market has lower realization due to pressure of dumping resorted by foreign producers of subject countries. If the Authority removes the dumping from Indian market thereafter domestic industry can realize reasonable price and more volume. Since the product is being dumped in the country, domestic industry is not in a position to increase its market share in India and hence is exporting the product.
- The increase in price of the subject goods is in line with increase in cost of production. Applicant is a multi-product company producing more than 50 products; hence any investment made for some other products cannot be treated as investment made for the PUC.
- Having a cost advantage does not justify dumping in any other country.
- The news items relied up on is relating to other products and not relating to Morpholine. The importer is misleading the authority by providing news relating to other products.

- The domestic industry is suffering injury on many parameters such as:
 - a) Increase in imports both in absolute term and in relation to production and consumption in India.
 - b) Decline in production resulting in decline in capacity utilization.
 - c) Decline in volume of domestic sales
 - d) Decline in profit, PBIT, ROI and cash profit.
 - e) Significant price undercutting and underselling.
 - f) Decline in productivity
 - g) Negative growth in many of the parameters.
 - h) Decline in market share in demand.
- Imports both from USA and EU have increased during the injury period with an exception in the year 2008-09 where in imports from USA had declined. it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from subject countries as:
 - i. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed,
 - ii. The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed,
 - iii. Cumulative assessment is appropriate in view of the following factors :-
 - a. The goods involved are like articles and are competing in the same market;
 - b. The imported products are being sold through the comparable channel of distribution and to comparable category of customers;
 - c. Products from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market.
 - d. Imports from subject countries are increasing.
- The argument that global economic crises in tyre sector led to the decline in prices of Morpholine is without the supporting data. As can be seen from the petition the demand for the subject goods has increased over the years.
- The production of Morpholine is not reduced when prices of DEG increase as could be seen from their production data. Applicant produces the goods based on the orders in hand and keeping in mind the regular orders that keeps coming every month.
- As regards the argument that domestic industry's Morpholine does not display a consistent quality; they disagree with this statement. Assuming the above statement is correct than the exporters product should fetch a better price than the applicant', in fact the positive undercutting proves that the landed price is lower than the petitioners price in Indian market.

Examination by the Authority

- 7.5 The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and applicable law as follows:
- a. The Authority notes that an interested party must substantiate its claim with appropriate evidence while making its submissions. The Authority notes that the allegation that the application is not in the form and manner and contains inaccuracies/contradiction has not been substantiated. As regards the transactions reported in IBIS, there does not appear to be any repetition.
 - b. As regards the issue of adoption of IBIS data *vis a vis* DGCI&S is concerned; it is noted that as per information available on record, the imports volume as reflected in the data of IBIS is more than that reflected in the DGCI&S data and hence the IBIS data has been adopted for the purposes of present findings.
 - c. As regards the import data; the same is based on the data as reflected in the questionnaires' responses and the IBIS data.
 - d. As regards the issue of the applicant's performance in Post POI is concerned; the Authority notes that post POI data is not considered for undertaking either dumping or injury analysis.
 - e. The Authority notes that AD Rules do not require that the Applicant must be able to fulfill demand in India and have adequate capacity to this end, before seeking redressal of injury caused to it on account of dumping.
 - f. As regards the issue of desired rate of return, the Authority determines the NIP as per its consistent practice and the same has also been followed in the instant matter.
 - g. As regards the frequent shutdowns of Plant of the Applicant; the domestic industry has clarified that the plant was shut down due to maintenance for a period of *** days and due to lack of orders from customers, the company was forced to stop its production for *** days.
 - h. As regards the R&D activities; the Applicant has clarified that neither it has claimed any R&D expenses nor are they reflected in their annual report so far as the subject goods are concerned. The Authority further notes that no R& D expense has been considered while computing the NIP for the domestic industry.
 - i. As regards the quality claims, the contentions made by the interested party have not been substantiated. The Authority notes that adjustment on account of any

difference in the quality could be duly considered while determining the injury margin.

- j. As regards the contention that commercial production of PUC was not successfully undertaken by the applicant in the year 2007-08; the Authority notes that it has been the consistent practice of the Authority to examine domestic industry' claim of injury during the POI over the injury period.
- k. As regards the contentions relating to imports of raw material from USA and the loss of share in market share of the applicant is due to exports; the Authority notes the contentions have not been substantiated. .
- l. As regards the contention that global economic crises in tyre sector led to the decline in prices of Morpholine; the Authority notes the contentions have not been substantiated.
- m. As regards the issue that production of Morpholine is reduced when prices of DEG increase; the Authority has verified their production data, and would determine its findings accordingly.
- n. As regards the contention that the sharp decline in profitability of the domestic producer in 2009 and during the POI is not explainable as capacity utilization was increased nearly by a factor of 2 from 2008 to 2009, when the profitability in 2009 was so low; the Authority notes that the capacity of the applicant has remained the same during the injury period and hence the contention needs to be substantiated by the interested party making it.
- o. Other injury related issues such as pertaining to cost of production, production capacity of various amines produced by the applicant company, market share, capacity *vis a vis* demand, relationship between sales price of the applicant and import prices, price undercutting or price suppression, profitability, productivity, increase in cost of raw materials and wages, absence of causal link etc have been examined appropriately in the relevant sections of these findings.

Cumulative assessment

7.5.1 Annexure II para (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the

imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article and

- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

7.6 The Authority notes that:-

- The subject goods are being dumped into India from a number of countries.
- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de-minimis* limits prescribed;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the *de-minimis* limits prescribed;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market, which is evident from the following:-
 - a. The products manufactured by the producers from the subject countries and the products manufactured by the Applicant have comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.
 - b. There are common parties who are resorting to use of the imported subject goods from various sources and the goods produced by the domestic industry. Both, the imported and the domestic subject goods, are being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported products and *inter-se* amongst imported products.
 - c. The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
 - d. The volume of imports from each of the subject countries is significant.

The Authority notes that imports made on account of any extraneous consideration such as affiliation should not be impacting the above perspective.

- 7.7 In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries

- 7.8 Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has

been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

- 7.9 As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows: "The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Demand and Market Share

- 7.10 The applicant has claimed that for the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of the domestic industry have been added to the total imports into India, which has been summarized as under.

Particulars	Unit.	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
Imports from					
Subject Countries	MT	2,989	2,906	4,389	4,815
Other Countries	MT	184	199	32	-
Total Imports	MT	3,174	3,106	4,421	4,815
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Demand	Indexed	100	97	138	146

- 7.11 The Authority notes that demand has shown a positive trend and increased significantly in the period of investigation as compared to the base year. The growth in the demand during period of investigation was about 46% as compared to the base year. The sale of domestic industry during the POI has increased by 20% as compared to the base year. However, the sales of domestic industry did not proportionately increase *vis a vis* the increase in demand.

Import volumes and market share

- 7.12 Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that "while examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India ..." Thus, with regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

7.13 The applicant has claimed that subject goods are being imported in different Customs classifications. Further, the imports of the product under consideration reported in the IBIS data is significantly more than what has been reported in the DGCI&S data and therefore the volume of imports has been assessed on the basis of the IBIS data and the data of the co-operating exporters.

7.14 The Authority notes that:

- (a) The imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms in the period of investigation as compared to the base year as per the table below.

Imports from	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
China PR	MT	426	1,220	492	511
USA	MT	1,202	348	1,387	1,419
EU	MT	1,361	1,339	2,510	2,885
Other Countries	MT	184	199	32	-
Subject Countries	MT	2,989	2,906	4,389	4,815
Total Imports	MT	3,173	3,106	4,421	4,815

- (b) It is seen that market share of subject countries have increased during the POI as compared to the base year, whereas the market share of domestic industry has declined as compared to the base year as shown in the table below.

Market Share in Demand	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
Subject Countries	Indexed	100	100	106	110
Other Countries	Indexed	100	111	13	0
Domestic industry	Indexed	100	98	95	82

7.15 From the above table, it is noted that:

- The market share of dumped imports from the subject countries have increased during POI as compared to the base year.
- The imports from the subject countries have increased in POI as compared to the base year and in relation to the total imports.
- The share of the domestic industry has declined in POI.

Price effect of imports

With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like articles in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred to a significant degree. In order to assess the extent of price undercutting, the Authority has compared the net sales realization of the domestic industry with the landed value of the imports. The net sales realization was arrived, after deducting all rebates and taxes. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting. The position is as follows.

Particulars	Landed Value (Rs./Kg)	Price Undercutting (Rs./Kg)	Price Undercutting (%) Range
NSR Rs.*** Per/ KG			
Country/Territory			
China PR	***	***	1-5
USA	***	***	5-10
EU	***	***	1-5
Subject Countries as a whole	***	***	1-5

7.16 The Authority has also determined price undercutting cumulatively from the subject countries as a whole, which is as follows:-

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
Average landed import price	Rs./Kg	***	***	***	***
Net Selling price of the domestic industry	Rs./Kg	***	***	***	***
Price undercutting amount	Rs./Kg	***	***	***	***
Price undercutting %	Range	5-10	(10-15)	0-5	0-5

Price Suppression/ Price Depression

7.17 In order to assess whether the imports from the subject countries were suppressing/ depressing the prices of the domestic industry, the Authority has compared the cost of production and the net selling price of the domestic industry along with the average landed price of the imports over the injury period, which is given in the following table:-

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	93	99
Net Selling price of the domestic industry	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	83	87
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	162	12	(6)
Average landed price of subject countries	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	119	86	91

- 7.18 From the above, it is apparent that there is decrease in both the cost of sales and the selling price of the domestic industry during the POI as compared to the base year. However, the decrease in the net selling price is proportionately higher as compared to the decrease in the cost of sales, thereby reflecting price depression.

Economic parameters of the domestic industry

- 7.19 Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like article. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
- 7.20 The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:-

Production, sales, capacity and capacity utilization

- 7.21 The production, domestic sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry has been stated as follows:

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09-June'10 [POI]
Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	231	229
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	231	229
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	132	120
Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	138	146
Domestic Sales in % of Demand	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	95	82

7.22 From the above, it is noted that:

- The domestic industry has maintained the same level of installed capacities throughout the injury period.
- The production, capacity utilization has increased during the POI as compared to the base year. The demand has increased by 46% during POI as compared to the base year, whereas the sale of the domestic industry has increased by 20% during the POI as compared to the base year.

Profitability

7.23 The cost of production, net sales realization & profit/loss of the domestic industry are as follows:-

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09-June'10 [POI]
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	93	99
Net Selling price of the domestic industry	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	83	87
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	162	12	(6)
Profit/Loss Domestic Sales	Rs.lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	154	16	(7)

PBIT on Domestic Sales	Rs.lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	142	39	20

- 7.24 It is noted that profitability of the domestic industry for the subject goods has improved till 2008-09. However, from 2009-10, it has started declining and the profitability of the domestic industry declined significantly in the POI leading to significant financial losses, during the POI.

Return on investments and Cash flow

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
ROI- GFA Basis	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	148	36	19
ROI - NFA Basis	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	157	36	19
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	156	36	18
Depreciation	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	162	120	120

- 7.25 The Authority notes that return on investment and cash profit of the domestic industry deteriorated significantly during the POI as compared to the base year as would be apparent from the above table. The return on investment has been determined considering PBIT and capital employed for the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. The cash profit has shown a significant decline in the POI as compared to the base year. It is noted that the depreciation has increased during the POI as compared to the base year. The depreciation after 2008-09 is almost in the same region, whereas the profits have declined. The Authority notes that the decline in profits is not due to increase in depreciation expenses.

Market Share

- 7.26 From the table below, it is seen that demand for the subject goods in India has shown an increasing trend except decline during 2008-09. However, the market share of subject countries in demand of the product in India has increased significantly and that of the domestic industry has declined in the POI compared to the base year.

Market Share in Demand	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09- June'10 [POI]
Subject Countries	Indexed	100	100	106	110

Other Countries	Indexed	100	111	13	0
Domestic industry	Indexed	100	98	95	82
Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	138	146
Domestic Sales in % of Demand	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	95	82

Employment, wages and productivity

7.27 The data relating to employment, wages and productivity is as follows:

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09-June'10 [POI]
No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	86	86
Wages	Rs.lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	222	218
Productivity per day	Mt/day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	230	228
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	266	264

It is seen from the above that there has been decrease in the number of employees and also increase in wages during period of investigation as compared to the base year. However, it is seen that the company is a multi-product company and hence its performance on these counts may not be appropriate in the instant analysis.

Inventories

7.28 The data relating to inventories shows as follows:-

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	July'09-June'10 [POI]
Average Inventories	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	21	263	197
Capacity Utilization	Indexed	100	120	231	229

7.29 From the above table, it is seen that average inventory has increased in the POI as compared to the base year. Apparently, due to presence of dumped imports from the subject countries, the domestic Industry has not been able to sell its goods.

Growth

7.30 Growth of the domestic industry in terms of inventories and market share was negative, while the same in respect of production, capacity utilisation and sales volume was positive during POI as compared to the base year. Growth in terms of price parameters, viz. profits, cash profits and return on investment has been negative.

Ability to raise funds

7.31 It is noted that the company is a multi-product company and hence its performance on these counts may not be appropriate in the instant analysis.

Conclusion on material injury

7.32 It is thus seen that:

- a) Imports from subject countries have significantly increased in absolute terms.
- b) The imports have increased in relation to imports in India, production and consumption in India.
- c) The imports are significantly undercutting the prices of domestic industry.
- d) The selling prices of the domestic industry have decreased. Although the cost of production of the domestic industry also decreased yet the decrease in the selling price was higher than the decrease in the cost of production thereby causing significant price depression.
- e) The domestic industry's domestic sales increased over the injury period but the increase in the sales was proportionately lower than the increase in demand. Despite the increase in demand, the domestic industry was not able to sell the subject goods produced leading to increased inventories.
- f) The market share of the dumped imports has increased and that of domestic industry has declined.
- g) The profits, return on investment and cash profits of the domestic industry have deteriorated significantly.
- h) The domestic industry has claimed to have undertaken exports to liquidate the inventories.
- i) Dumping margins are significant.

In view of the above, the Authority is provisionally of the view that the domestic industry has suffered material injury.

I. Causal Link**Submissions made by the Domestic Industry**

The Domestic Industry has submitted that their market share has declined significantly in the POI, whereas share of the subject countries imports has increased.

Submissions made by other interested parties

There is absence of causal link as the decline in market share is due to the capacity limitation of the petitioner and therefore cannot be attributed to dumped imports.

8. As per the AD Rules, the Authority, *inter alia*, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that:-
- a. **Volume and Price of imports from third countries:** The Authority notes that imports from third countries are either negligible or their volume is *de-minimis* during previous years. In fact, there are no imports in POI. Thus, imports from third countries could not have caused injury to the domestic industry.
 - b. **Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption:** It is noted that the demand of the subject goods has increased by 46% in the period of investigation as compared to the base year. There is also no indication of any change in the consumption pattern.
 - c. **Trade Restrictive Practices of and Competition between the Foreign and Domestic producers:** The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. The domestic producers compete with the landed prices of the subject goods. The price of the domestic industry is influenced substantially by the landed price of subject goods. Moreover, no evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.
 - d. **Development of Technology:** None of the interested party has raised any issue with regard to developments in technology as being the cause of injury to the domestic industry. No information, in respect of any significant development in technology is on record that could be the principal cause of injury to the domestic industry.

- e. **Export Performance:** The Authority notes that the export volume of the domestic industry has increased during the POI. Thus, possible decline in exports is not a factor which could have attributed injury to the domestic industry. Further, the domestic industry has contended that they are being forced to export only because of lack of demand for their product in the Country because of presence of the dumped imports in the Indian market.

8.1 The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- a) Imports of the product under consideration have increased significantly and the market share of the subject countries increased, whereas that of the domestic industry's share decreased.
- b) Apparently, the domestic industry has lost its sales volumes due to the presence of the dumped subject goods in India.
- c) The imports, from the subject countries as a whole, are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
- d) The imports are significantly depressing the domestic prices.
- e) The deterioration in the domestic industry's profits and return on capital employed are apparently as a result of the dumped imports.
- f) The domestic industry's performance has become negative in respect of a number of parameters.

Magnitude of injury and injury margin

8.2 The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the AD Rules, as amended.

Co-operating Exporter

Particulars	Unit	M/s.Huntsman Petrochemical Corporation(USA)	BASF SE(EU)	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd(China PR)
NIP	US\$/KG	***	***	***
Landed Price	US\$/KG	***	***	***
Injury Margin	US\$/KG	***	***	***

Injury Margin range	%	20-25	10-15	10-15
---------------------	---	-------	-------	-------

Non-Co-operating Exporter

Particulars	Unit	China PR	USA	EU
NIP	US\$/KG	***	***	***
Landed Price	US\$/KG	***	***	***
Injury Margin	US\$/KG	***	***	***
Injury Margin(%) range	%	30-35	40-45	30-35

J. Conclusions:

9. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:
- The product under consideration has been exported to India from the subject countries below associated normal values, thus resulting in dumping of the subject goods from the subject countries.
 - The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods.
 - The material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

K. Indian industry's interest & other issues

10. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate 'injury' caused to the domestic industry by the unfair trade practices of 'dumping' so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the subject goods to the consumers.
- 10.1 It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury caused to the domestic industry. On the contrary, imposition of the anti-dumping measures

would remove the unfair advantages gained by the dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

L. Recommendations

11. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and 'injury' pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in the form and manner described hereunder.

- 12.1 Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty table

Sl. No	Heading/ Sub-heading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	2933.39.17	Morpholine	China PR	China PR	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	0.29	Kg	US\$
2.	-do-	-do-	China PR	China PR	Any other than combination at Sr. No.1		0.63	Kg	US\$
3.	-do-	-do-	Any country other than the subject	China PR	Any	Any	0.63	Kg	US\$

			countries						
4.	-do-	-do-	China PR	Any country other than the subject countries	Any	Any	0.63	Kg	US\$
5.	-do-	-do-	European Union	European Union	M/s BASF SE	M/s BASF SE	0.35	Kg	US\$
6.	-do-	-do-	European Union	European Union	Any other than combination at Sr. No.5		0.68	Kg	US\$
7.	-do-	-do-	Any country other than the subject countries	European Union	Any	Any	0.68	Kg	US\$
8.	-do-	-do-	European Union	Any country other than the subject countries	Any	Any	0.68	Kg	US\$
9.	-do-	-do-	USA	USA	M/s.Huntsman Petrochemical Corporation	M/s.Huntsman Petrochemical Corporation	0.50	Kg	US\$
10	-do-	-do-	USA	USA	Any other than combination at Sr. No.9		0.81	Kg	US\$
11	-do-	-do-	USA	Any country other than the subject countries	Any	Any	0.81	Kg	US\$
12	-do-	-do-	Any country other than the subject countries	USA	Any	Any	0.81	Kg	US\$

M. Further Procedure

12.2 The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these Preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing final findings.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority